संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 129
पृष्ठ 8
बुधवार
28 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- थायराइड के मरीजों का ऐसा...

विचार- यूजीसी के नए नियम और ओबीसी...

खेल- संजू सैमसन को मिलेगा मौका या...

भारत-ईयू के बीच 'मदर ऑफ ऑल डील्स' संपन्न

वैश्विक सप्लाई चेन को मजबूती मिलेगी-प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज इंडिया एनर्जी वीक के उद्घाटन सत्र को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि गोवा में दुनिया के 125 देशों के प्रतिनिधि चर्चा के लिए जुटे हैं। पीएम ने कहा कि इंडिया एनर्जी वीक बहुत कम समय में डायलॉग और एक्शन का वैश्विक मंच बनकर उभरा है। भारत ऊर्जा के क्षेत्र में बहुत बड़े अवसरों की धरती है। देश की अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से विकास कर रही है। यानी हमारे यहां एनर्जी से जुड़े उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत दुनियाभर की मांग को पूरा करने में भी सक्षम है और अवसर मुहैया कराता है। प्रधानमंत्री ने भारत की निर्यात क्षमता को रेखांकित करते हुए कहा, आज हम दुनिया में पेट्रोलियम उत्पादों के शीर्ष पांच निर्यातकों में शामिल हैं। 150 से अधिक देशों में भारत सामान निर्यात करता है। भारत की ये क्षमता आपके बहुत काम आने वाली है। एनर्जी वीक का ये प्लेटफॉर्म साझेदारी को एक्सप्लोर करने का उत्तम स्थान है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच बहुत बड़ा एग्रीमेंट हुआ है। दुनिया में लोग इसकी चर्चा मदर ऑफ ऑल डील के रूप में कर रहे हैं। ये समझौता भारत के 140 करोड़ लोगों और यूरोपीय देशों के करोड़ों लोगों के लिए बहुत बड़े अवसर लेकर आया है। ये दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का बड़ा उदाहरण बना है। ये समझौता वैश्विक जीडीपी के करीब 25 फीसदी को और ग्लोबल ट्रेड के एक तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और ईयू का समझौता व्यापार के साथ-साथ लोकतंत्र और कानून के शासन के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। ईयू के साथ हुए इस एफटीए से ब्रिटेन और एप्टा समझौते (एशिया-प्रशांत व्यापार समझौता) को भी मदद मिलेगी। सभी देशवासियों को इसके लिए बधाई। कपड़ा, चमड़ा और जूता उद्योग, जेम्स व ज्वैलरी जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को भी बधाई। ये समझौता इन लोगों के लिए मददगार साबित होगा। इससे देश में विनिर्माण को बल मिलने के साथ-साथ सर्विस सेक्टर में भी मददगार साबित होगा।

वैश्विक हित में मिलकर काम करें भारत और यूरोप के रक्षा उद्योगः राजनाथ

नयी दिल्ली,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा है कि भारतीय और यूरोपीय रक्षा उद्योगों को वैश्विक हित में मिलकर काम करने की जरूरत है इससे भारत का आत्मनिर्भरता का दृष्टिकोण तो आगे बढेगा ही साथ ही यह यूरोपीय संघ की रणनीतिक स्वायत्तता की आकांक्षा केअनुरूप भी है। श्री सिंह ने मंगलवार को यहां यूरोपीय आयोग की उच्च प्रतिनिधि और उपाध्यक्ष सुश्री काजा कल्लास के साथ बैठक के दौरान यह बात कही। सुश्री कल्लास ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ को हिंद महासागर क्षेत्र में मिलकर कार्य करना चाहिए और संयुक्त अभ्यासों के माध्यम से एक-दूसरे की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों से सीखना चाहिए। रक्षा मंत्री ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, आज नई दिल्ली में यूरोपीय आयोग की उच्च प्रतिनिधि सुश्री काजा कल्लास से भेंट कर प्रसन्नता हुई। बैठक के दौरान द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें विश्वसनीय रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र और भविष्य के लिए तैयार क्षमताओं के निर्माण हेतु आपूर्ति श्रृंखलाओं के एकीकरण के अवसर शामिल हैं। भारत और यूरोपीय संघ के देशों के बीच अधिक सहयोग की आशा है। रक्षा मंत्रालय ने बाद में बताया कि बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। रक्षा मंत्री ने यूरोपीय आयोग की प्रतिनिधि से कहा कि भारत और यूरोपीय संघ लोकतंत्र, बहुलवाद और कानून के शासन जैसे साझा सिद्धांतों में विश्वास रखते हैं जो उनके लगातार मजबूत होते साझेदारी संबंधों की नींव हैं। उन्होंने कहा कि भारत इन मूल्यों को वैश्विक स्थिरता, सतत विकास और समावेशी समृद्धि के लिए व्यावहारिक सहयोग में बदलना चाहता है।

प्रोटोकॉल उल्लंघन पर भड़के खरगे कहा-

गणतंत्र दिवस परेड में उचित सम्मान नहीं, विपक्ष के अपमान पर सरकार दे जवाब

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान बैठने की व्यवस्था पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने केंद्र सरकार पर सीधा हमला करते हुए कहा कि इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में विपक्ष के नेताओं का अपमान किया गया है। खरगे के अनुसार, सरकार ने जानबूझकर प्रोटोकॉल के नियमों की अनदेखी की और विपक्षी नेताओं को वह सम्मान नहीं दिया जिसके वे हकदार हैं। अपनी बात रखते हुए खरगे ने कहा कि वह देश के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं। उन्होंने याद दिलाया कि उनके और राहुल गांधी के पास कैबिनेट मंत्री का दर्जा है। प्रोटोकॉल के हिसाब से कैबिनेट रैंक वाले नेताओं को पहली कतार में जगह मिलनी चाहिए। इसके बावजूद, उन्हें समारोह में तीसरी लाइन में बैठाया गया। खरगे ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जिस लाइन में उन्हें जगह दी गई, वहां राज्य मंत्री और बच्चे बैठे थे। कांग्रेस अध्यक्ष ने पास मिलने में हुई परेशानियों का भी खुलासा किया।

सीएम योगी बोले- घबराइए मत, हर समस्या का होगा समाधान

गोरखपुर,संवाददाता। सोमवार देर शाम गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास करने के बाद मंगलवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों की ध्यान से बात सुनी, उनके प्रार्थना पत्र को पढ़ा। और, फिर आत्मीयता से बोले, 'घबराइए मत, समस्या का समाधान कराया जाएगा।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निराकरण कराएं। मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। अपनेपन के भाव मे 'कहां से आए हैं, क्या बात है', कहते हुए एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं।

भरोसा दिया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। हर बार की तरह इस बार भी जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी, सरकार भरपूर आर्थिक मदद देगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को सीएम योगी आदित्यनाथ ने खूब प्यार दुलार दिया। उन्हें स्कूल जाने और पढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट भी दी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। उन्होंने मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। गोशाला में सीएम योगी ने गोवंश का नाम लेकर पुकारा। गोवंश के पास आने पर उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें रोटी-गुड़ खिलाया। गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पहुंचने पर एक मोर भी उनके पास आ जाता है।

राष्ट्रपति भवन की हाई-टी में उत्तर-पूर्व भारत के पारंपरिक व्यंजनों को मिली राष्ट्रीय पहचान

अगरतला,एजेंसी। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में आयोजित हाई-टी में उत्तर-पूर्व भारत की समृद्ध और विविध पाक परंपरा को विशेष सम्मान मिला। कार्यक्रम में क्षेत्र के पारंपरिक व्यंजनों को परोसा गया, जिससे उत्तर-पूर्वी राज्यों की सांस्कृतिक पहचान राष्ट्रीय मंच पर उभरकर सामने आई। हाई-टी मेन्यू में त्रिपुरा की प्रसिद्ध माताबाड़ी पेड़ा और पाटिसप्त पिठा, मणिपुर की ब्लैक राइस खीर, असम की नारिकोल लारू, तिल पिठा और तिल लारू, तथा अरुणाचल प्रदेश की पारंपरिक मिठाई खाप्से शामिल रहीं। इन व्यंजनों ने उत्तर-पूर्व भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और गैस्ट्रोनॉमिक विरासत को खूबसूरती से दर्शाया। माताबाड़ी पेड़ा, जिसे जीआई टैग प्राप्त है और जिसका संबंध ऐतिहासिक त्रिपुरेश्वरी (माताबाड़ी) मंदिर से जुड़ा है, त्रिपुरा की गहरी सांस्कृतिक जड़ों और पारंपरिक कारीगरी का प्रतीक है। अपने कैरामेलाइज्ड स्वाद, इलायची की खुशबू और मुलायम बनावट के लिए प्रसिद्ध यह मिठाई कई महिलाओं की आजीविका का भी आधार है। त्रिपुरा और बंगाली-बहुल क्षेत्रों की लोकप्रिय शीतकालीन मिठाई पाटिसप्त पिठा, जिसे चावल के आटे और सूजी से बनाकर नारियल व गुड़ से भरा जाता है, ने समारोह में उत्सव का रंग भरा। वहीं मणिपुर और नागालैंड में पर्व-त्योहारों के दौरान प्रचलित ब्लैक राइस खीर, जो आयरन-समृद्ध और ग्लूटेन-फ्री काले चावल से बनाई जाती है, भी मेहमानों को परोसी गई। असम की नारिकोल लारू और तिल आधारित व्यंजन राज्य की पारंपरिक मिठाई संस्कृति को दर्शाते हैं, जबकि अरुणाचल प्रदेश की खाप्सेकृ-मक्खन युक्त आटे से हाथ से आकार देकर बनाई जाने वाली मिठाई-तिब्बती नववर्ष के दौरान विशेष रूप से लोकप्रिय है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने इस अवसर को उत्तर-पूर्व भारत की सांस्कृतिक विरासत के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति भवन के मेन्यू में इन व्यंजनों को शामिल किया जाना क्षेत्र की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त करता है।

सबूत मांगना गलत, मेरा बयान योगी के खिलाफ नहीं-उमा भारती

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता उमा भारती ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी से उनके शंकराचार्य पदवी का प्रमाण मांगना मर्यादा का उल्लंघन है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनके इस कथन का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अनादर करना नहीं है। एक पोस्ट में भारती ने कहा कि इस तरह के प्रमाण मांगने का अधिकार केवल शंकराचार्य या विद्वान परिषद के पास है। उमा भारती ने एक्स पर लिखा कि मुझे विश्वास है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज एवं उत्तर प्रदेश सरकार के बीच कोई सकारात्मक समाधान निकल आएगा किंतु प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा शंकराचार्य होने का सबूत मांगना, यह प्रशासन ने अपनी मर्यादाओं एवं अधिकारों का उल्लंघन किया है, यह अधिकार तो सिर्फ शंकराचार्यों का एवं विद्वत परिषद का है। हालांकि, इसके बाद उमा भारती ने एक और एक्स पोस्ट किया। उमा भारती ने लिखा कि योगी विरोधी खुश फहमी ना पालें, मेरा कथन योगी जी के विरुद्ध नहीं है, मैं उनके प्रति सम्मान, स्नेह एवं शुभकामना का भाव रखती हूं किंतु मैं इस बात पर कायम हूं कि प्रशासन कानून-व्यवस्था पर सख्ती से नियंत्रण करे लेकिन किसी के शंकराचार्य होने का सबूत मांगना मर्यादा का उल्लंघन है, यह सिर्फ शंकराचार्य या विद्वत परिषद कर सकते हैं। उनकी ये टिप्पणी माघ मेले के दौरान शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम में स्नान करने से रोकने के कथित प्रयास के बाद आई है।

सुझावों का स्वागत है, लेकिन हंगामे से बचें, बजट सत्र से पहले सरकार की विपक्ष को दो-टूक

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होगा। इससे पहले मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। जिसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार संसद के बजट सत्र से पहले सभी राजनीतिक दलों के सुझाव सुनने को तैयार है। उन्होंने कहा कि चर्चा संसदीय नियमों के मुताबिक ही होनी चाहिए। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा, शनियमों के अनुसार, चर्चा सिर्फ बजट पर ही होनी चाहिए। सत्र की शुरुआत में राष्ट्रपति संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगी। उसके बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस होगी, जिसमें सभी दल हिस्सा लेंगे। सरकार हमेशा किसी भी सुझाव को सुनने के लिए खुश है।श उन्होंने आगे कहा कि सरकार हमेशा सुनने को तैयार है, लेकिन अगर हर बार विपक्षी दल हंगामा करते हैं और सदन नहीं चलने देते, तो समस्या पैदा होती है। इसके अलावा, टीडीपी संसदीय दल के नेता लावु श्री कृष्ण देवरायलु ने बताया कि उनकी पार्टी ने बैठक में तीन राष्ट्रीय मुद्दे और पांच आंध्र प्रदेश से जुड़े मुद्दे उठाए। इनमें भारत के एफटीए समझौते, 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया नियम और अमरावती राजधानी विधेयक शामिल हैं।

पत्रकारों से बातचीत में देवरायलु ने कहा कि हम तीन राष्ट्रीय मुद्दे और आंध्र प्रदेश से जुड़े पांच मुद्दे उठाना चाहते थे। पहला राष्ट्रीय मुद्दा भारत के एफटीए समझौतों से जुड़ा है, जिसमें भारत-ईयू एफटीए भी शामिल है। हम इस पर चर्चा चाहते हैं। दूसरा मुद्दा 16 साल से कम उम्र के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध का है। अगर ऑस्ट्रेलिया यह कर सकता है, तो भारत क्यों नहीं? राज्य का प्रमुख मुद्दा अमरावती राजधानी विधेयक है। हम चाहते हैं कि आंध्र प्रदेश की राजधानी को कानूनी समर्थन मिले।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में उतरे कंप्यूटर बाबा, संतों के साथ किया धूनी तपस्या

प्रयागराज। उत्तराम्नाय ज्योतिर्मठ के जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी विमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज का धरना मंगलवार को 10वें दिन भी जारी रहा। शंकराचार्य के समर्थन में बड़ी संख्या में संतों ने कंप्यूटर बाबा के नेतृत्व में धूनी तपस्या की।

उत्तराम्नाय ज्योतिर्मठ के जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी विमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज का धरना मंगलवार को 10वें दिन भी जारी रहा। शंकराचार्य के समर्थन में बड़ी संख्या में संतों ने कंप्यूटर बाबा के नेतृत्व में धूनी तपस्या की। कंप्यूटर बाबा ने कहा कि संतों का अपमान किया जा रहा है। सनातन धर्म का

अपमान हो रहा है। धर्माचार्यों का अपमान हो रहा है। सनातन का अपमान योगी सरकार में हो रहा है। यह बहुत ही दुख की बात है। धूनी तपस्या करके संत अपना विरोध जाहिर कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह धूनी हवन एवं तपस्या किसी व्यक्ति विशेष के विरोध में नहीं, बल्कि धर्म, न्याय और संत सम्मान की रक्षा के लिए एक आध्यात्मिक अनुष्ठान है। इसके माध्यम से संत समाज ईश्वर से प्रार्थना कर रहा है कि अधिकारियों को सद्बुद्धि प्राप्त हो तथा भविष्य में संतों एवं धर्मगुरुओं के प्रति ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। यह तपस्या राष्ट्र, गौ माता, सनातन धर्म एवं संत समाज की गरिमा की रक्षा के लिए समर्पित है।

'सरकार ने जो पद दिया था, उससे बड़ा पद धर्म के क्षेत्र में देंगे...'

प्रयागराज। बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने गणतंत्र दिवस पर अपने पद से इस्तीफा दिया। यूजीसी के नए कानून और शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों की पिटाई से आहत होकर उन्होंने रिजाइन किया। इस्तीफे की खबर पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने फोन पर अलंकार अग्निहोत्री से बात की।

बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट पद से इस्तीफा देने वाले पीसीएस अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की फोन पर बात हुई है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद और अलंकार अग्निहोत्री की बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद माघ मेले में अपने शिविर से अलंकार अग्निहोत्री से बात करते हुए दिख रहे हैं। इस दौरान अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि सरकार ने जो पद दिया था, उससे बड़ा पद धर्म के क्षेत्र में पद आपको देने का प्रस्ताव करते हैं।

बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट पद से इस्तीफा देने वाले पीसीएस अफसर अलंकार अग्निहोत्री ने सोमवार रात शंकराचार्य से फोन पर बात की। शंकराचार्य ने कहा कि हम लोगों के मन में दो तरह की प्रतिक्रिया आपका समाचार

सुनने पर हो रही है। एक तो दुख हो रहा है कि आपने कितने लगन से पढ़ाई की होगी, तब जाकर आप इस पद पर आए होंगे। आज एक झटके में यह पद चला गया।

दूसरी तरफ आपने जिस तरह से सनातन धर्म के प्रति गहन निष्ठा का प्रदर्शन किया है, उससे पूरा समाज आह्लादित है। आपको अभिनंदन करता है। हम चाहते हैं कि आप जैसे निष्ठावान लोग सनातन धर्म की सेवा में आगे आगे। जो पद सरकार ने आपको दिया था। उससे बड़ा धर्म के क्षेत्र का पद हम आपको देने का प्रस्ताव देते हैं।

इसके बाद उधर से अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि शुक्रिया है महाराज जी, जल्द ही आपका आशीर्वाद लेते हैं और मिलते हैं।

बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट पद से पीसीएस अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री ने सोमवार को सरकारी नीतियों, खासकर नए यूजीसी नियमों से गहरे मतभेद का हवाला देते हुए नौकरी से इस्तीफा दे दिया।

उन्होंने कहा, ब्राह्मण प्रदेश में लंबे समय से ब्राह्मण विरोधी अभियान चल रहा है। जेल में डिप्टी जेलर ने एक ब्राह्मण को पीट-पीटकर मार डाला। अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज के शिष्यों को बुरी तरह पीटा गया। दूसरा मुद्दा यूजीसी 2026 का नियम है।

इस्तीफे में क्या लिखा?

अलंकार अग्निहोत्री ने अपने इस्तीफा में उत्तर प्रदेश सिविल सेवा वर्ष 2019 बैच का अपने को राजपत्रित अधिकारी बताया है। साथ ही उन्होंने अपनी शिक्षा दीक्षा बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में होने का जिक्र किया है। उन्होंने सीधे राज्यपाल को संबोधित करते हुए कहा है कि प्रयागराज में माघ मेले में मौनी अमावस्या के स्नान के दौरान

शंकराचार्य का अग्निहोत्री को बड़ा ऑफर

ज्योतिष पीठ ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द एवं उनके शिष्य, बटुक, ब्राह्मणों से स्थानीय प्रशासन ने मारपीट की।

वृद्ध आचार्यों को मारते हुए बटुक ब्राह्मण को जमीन पर गिराकर एवं उसकी शिखा को पकड़कर घसीटकर पीटा गया और उसकी मर्यादा का हनन किया गया, चूंकि चोटी/शिखा ब्राह्मण, साधु संतों का धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रतीक है और में (अलंकार अग्निहोत्री) स्वयं ब्राह्मण वर्ग से हूं।

पत्र में आगे लिखा है कि प्रयागराज की घटना से यह स्पष्ट है कि स्थानीय प्रशासन द्वारा ब्राह्मणों का अपमान किया गया है। अलंकार अग्निहोत्री ने यह भी कहा है कि प्रयागराज में हुई घटना एक चिंतनीय एवं गंभीर विषय है और ऐसे प्रकरण इस सरकार में होना एक साधारण ब्राह्मण की आत्मा को कंपा देता है।

इस प्रकरण से यह प्रतीत होता है कि स्थानीय प्रशासन एवं वर्तमान की राज्य सरकार एक ब्राह्मण विरोधी विचारधारा के साथ काम कर रही है एवं साधु संतों की अस्मिता के साथ खिलवाड़ कर रही है।

पोस्टर के साथ तस्वीर वायरल

अलंकार अग्निहोत्री का कहना है कि वह शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों की पिटाई से आहत हैं। साथ ही उन्होंने यूजीसी के नए कानून का विरोध भी किया। इस संबंध में सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री की एक तस्वीर सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आई है, जिसमें वह पोस्टर लेकर खड़े दिखाई दे रहे हैं।

पोस्टर में लिखा है कि हैशटैग यूजीसी रोल बैक..., काला कानून वापस लो। शंकराचार्य और संतों को यह अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। वहीं, सोमवार शाम को सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री डीएम आवास पर पहुंचे। डीएम आवास में वह करीब एक घंटा तक रहे। इसके बाद बाहर निकले तो अलंकार अग्निहोत्री ने जिला प्रशासन पर ही बड़ा आरोप लगा दिया।

वाराणसी-प्रयागराज के साथ अयोध्या-मथुरा में भी दौड़ेगी मेट्रो, पेश हुआ विस्तार का रोडमैप

प्रयागराज। यूपी में वाराणसी-प्रयागराज के साथ ही अयोध्या और मथुरा में भी मेट्रो ट्रेन दौड़ेगी। इसका रोडमैप तैयार हो चुका है। गणतंत्र दिवस पर इस रोडमैप को यूपी मेट्रो की तरफ से साझा किया गया। उत्तर प्रदेश की राजधानी में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (यूपीएमआरसी) ने विकसित उत्तर प्रदेश के अपने विजन को साझा करते हुए प्रदेशवासियों को बड़ी सौगात दी। अब

वाराणसी और प्रयागराज के साथ-साथ अयोध्या और मथुरा जैसे पवित्र नगरों में भी मेट्रो चलाने की तैयारी है।यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने प्रशासनिक कार्यालय में ध्वजारोहण के बाद 'विकसित उत्तर प्रदेश फॉर विकसित भारत /2047' का रोडमैप प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि भविष्य में प्रदेश के भीतर कुल 1575 किमी मेट्रो विस्तार का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने बताया कि मेट्रो का लखनऊ में 225 किमी, कानपुर में 200 किमी और आगरा में 100 किमी के नेटवर्क में और विस्तार किया जाएगा। इसके साथ ही धार्मिक व पर्यटन केंद्र में मेट्रो के कॉरिडोर बनेंगे। वाराणसी, प्रयागराज और नोएडा-ग्रेटर नोएडा में 150-150 किमी के कॉरिडोर प्रस्तावित हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या, मथुरा, झांसी और मेरठ समेत 9 अन्य शहरों में 50-50 किमी मेट्रो नेटवर्क का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

गणतंत्र दिवस पर शासन से लहराया तिरंगा, अमर शहीदों को किया गया नमन

प्रयागराज। गणतंत्र दिवस समारोह संगमनगरी में पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पुलिस लाइन में परेड की सलामी ली। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अपने शिविर के सामने ध्वजा रोहण किया। शिविर में गंगा तिरंगा महोत्सव का आयोजन किया गया। कथावाचक अनिरुद्धाचार्य ने भी ध्वजारोहण किया। शहर से लेकर संगम तक देशभक्ति का जोश दिखा।

प्रयागराज में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। जिले माघ मेला क्षेत्र समेत सरकारी और गैर सरकारी कार्यालयों में ध्वजारोहण करके अमर शहीदों को याद किया गया। साथ ही सेना के शौर्य की सराहना की गई। माघ मेला क्षेत्र में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने त्रिवेणी मार्ग स्थित अपने शिविर के सामने ध्वजारोहण किया। शंकराचार्य शिविर में गंगा तिरंगा महोत्सव का भी आयोजन किया गया। पुलिस लाइन में आयोजित

कार्यक्रम में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने ध्वजारोहण किया। साथ ही परेड की सलामी ली। उन्होंने देश की सेना के शौर्य की सराहना करते हुए कहा कि एयर स्ट्राइक, सर्जिकल स्ट्राइक और आपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान को नेस्तनाबूद कर दिया गया। देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। अज देश में कोई भूख से नहीं मर सकता। माघ मेले में प्रसिद्ध कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज ने भी ध्वजारोहण किया। प्रयागराज मंडल उत्तर मध्य रेलवे ने भी 77वां गणतंत्र दिवस मनाया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले 132 रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल ने पुरस्कृत किया। डीएसए ग्राउंड में उन्होंने आरपीएफ परेड की सलामी भी ली।

बड़ी संख्या में साधु-संत और धर्माचार्यों की मौजूदगी में उन्होंने देश की आजादी के लिए अपना योगदान देने वाले शहीदों को नमन किया। इस दौरान

प्रयागराज नगर निगम कार्यालय पर महापौर उमेशचंद्र गणेश केसरवानी ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान आपात लैंडिंग के दौरान वायुसेना के पायलटों की जान बचाने वाले पंकज सोनकर, लाल साहब यादव और आलोक यादव को अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके बाद महापौर ने हाईकोर्ट चौराहे पर बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की नई प्रतिमा का अनावरण भी किया। माघ मेला क्षेत्र के नागेश्वरधाम में झंडा लहराया गया। खुल्दाबाद चौराहे पर विधायक शहर पश्चिमी और पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने ध्वजारोहण किया। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव, महाधिवक्ता कार्यालय पर महाधिवक्ता अजय कुमार मिश्र ने ध्वजारोहण किया।

गणतंत्र दिवस पर आयोजित क्रॉस कंट्री रेस के पुरुष वर्ग में अजीत कुमार प्रथम, बसंत कुमार गोला द्वितीय और रिशु पाल तृतीय रहे। महिला वर्ग में यमुना बिंद प्रथम, पूजा पटेल द्वितीय और श्रेया पटेल तृतीय रहीं। क्षेत्रीय खेल कार्यालय की ओर से यह प्रतियोगिता सुबह आठ बजे चंद्रशेखर आजाद पार्क के गेट नंबर -3 से शुरू हुई।

नगर निगम सदन में वंदे मातरम की गीत के साथ महापौर ने किया ध्वजारोहण

देश की एकता को एक सूत्र में पिरोता है वंदे मातरम:महापौर

पार्षदगण एवं विभाग के सभी अधिकारी/कर्मचारियों ने गया राष्ट्रगान रंगोली और तिरंगे से सजा नगर निगम

वायुसेना के पायलटों को बचाने वाले युवकों को किया गया सम्मानित

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज में गणतंत्र दिवस पर सभी अधिकारियों,कर्मचारियों के साथ महापौर एवं नगर आयुक्त ने राष्ट्रगान बंदे मातरम गीत की ध्वनि में झण्डा फहराया। तत्पश्चात नगर निगम प्रांगण में रंगोलियों से 77 वाँ गणतंत्र दिवस लिखा गया एवं स्वच्छ आदत से स्वच्छ भारत के स्लोगन पर जीरो वेस्ट की रंगोली भी बनाई गई जो लोगों को आकर्षित करने योग्य रहा उसके बाद सदन में बैठक के दौरान नगर आयुक्त श्री साई तेजा जी ने उपस्थित लोगो का अभिवादन किया महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने कहा वंदे मातरम देश की एकता को एक सूत्र में पिरोने का मंत्र है। 150 साल पूर्व वंदे मातरम की रचना करने वाले बंकिम

चंद्र चटर्जी की प्रतिमा लगाई जाएगी। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने बताया कि सदन में यह निर्णय लिया गया है। जवाहर लाल नेहरू रोड पर एक पार्क में प्रतिमा लगाई जाएगी। विशेषज्ञों के साथ प्रतिमा के आकार पर विचार किया जाएगा। इसी कड़ी में प्रयागराज वायुसेना के दो पायलटों को तालाब में फंसे एयरक्राफ्ट से सुरक्षित निकालने वाले पंकज सोनकर, आलोक यादव और लाल साहब निषाद को नगर निगम सम्मानित द्वारा साहसिक कार्य हेतु सम्मानित किया गया इन सभी लोगों ने तकनीकी खराबी के बाद पैराशूट के जरिए केपी कालेज के पास तालाब में उतरे वायुसेना के एयरक्राफ्ट से दोनों पायलटों को तीनों ने सुरक्षित बाहर निकाला था। बैठक में चर्चा के दौरान पार्षद आकाश सोनकर और नेम यादव ने इन्हें सम्मानित करने का प्रस्ताव रखा था। इस दौरान नगर आयुक्त सीलम साई तेजा, अपर नगर आयुक्त राजीव शुक्ला, दीपेंद्र यादव, अरविंद राय, पी. के.मिश्रा मुख्य कर निर्धारण अधिकारी/जनसंपर्क अधिकारी नगर स्वास्थ्य अधिकारी जलकल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशु विभाग आदि के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में 77वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

महाप्रबंधक ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 27 रेलवे कर्मियों को किया सम्मानित, लगाई गई राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्षो को समर्पित एक प्रदर्शनी

प्रयागराज। 26 जनवरी 2026 को, उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, प्रयागराज में राष्ट्र का 77वां गणतंत्र दिवस भव्यता, उल्लास, जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह द्वारा झंडा फहराने के साथ हुई। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने रेलवे सुरक्षा बल, भारत स्काउट और गाइड और सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड की परेड का निरीक्षण किया। समारोह के दौरान महाप्रबंधक ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 27 रेलवे कर्मियों जिनमें 05 संविदा सफाई कर्मी भी शामिल हैं, को सम्मानित किया। 77वें गणतंत्र दिवस पर सम्मानित होने वाले रेलवे के अधिकारी एवं कर्मचारियों में श्रीहरि शंकर कुमार, मुख्य वैगन संचालन निरीक्षक/योजना, परिचालन विभाग, मुख्यालय, वंदना सिंह, वरिष्ठ खंड अभियंता/टेली., सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग, मुख्यालय, श्री सुशांत प्रताप सिंह, वरिष्ठ खंड अभियंता/टीआरडी, विद्युत, मुख्यालय, श्री गोविंद राम मीणा, वरिष्ठ खंड अभियंता/कैरिज एंड वैगन, यांत्रिक (कै. वै.), प्रयागराज मंडल, श्री संजय कुमार ठाकुर, मुख्यनियंत्रक, परिचालन, प्रयागराज मंडल, श्रीशांतनु चौधरी, कनिष्ठ खंड अभियंता/बिजली, विद्युत, प्रयागराज मंडल, श्री उमेश चंद्र जेम्स, उप निरीक्षक, रेलवे सुरक्षाबल, प्रयागराज मंडल, श्रीविमलेश कुमार पाल, ट्रैक मेंटेनर-प्ट, इंजीनियरिंग विभाग, प्रयागराज मंडल, अर्चनाकुमारी, सहायक लोको पायलट, विद्युत परिचालन, प्रयागराज मंडल, श्री रविकांत त्रिपाठी उप मुख्य टिकट निरीक्षक, वाणिज्य विभाग,प्रयागराज मंडल, श्री प्रमोद कुमार पटेल, यातायात निरीक्षक, संरक्षा, प्रयागराज मंडल, श्री रामानंद तिवारी, वरिष्ठ खंड अभियंता/क.वि. ,विद्युत (कर्षण वितरण), झाँसी मंडल, श्री आयुष यादव, अवर अभियंता, कैरिज एंड वैगन, यांत्रिक(कै.वै.), झाँसी मंडल, श्री मुकेश कुमार, कार्यालय अधीक्षक, विद्युत सामान्य, झाँसी मंडल, श्री सुधीर कांत वरिष्ठ खंड अभियंता/सिग, सिग्नल एवं दूरसंचार में झाँसी मंडल, श्री महेंद्र सिंह, वरिष्ठ तकनीशियन यांत्रिक/मथुरा, आगरा मंडल, श्री कन्हैया लाल मीना, सहायक लोको पायलट, विद्युत परिचालन, आगरा मंडल, श्री राकेश मोहन, वरिष्ठ खंड अभियंता/पी.वे., इंजीनियरिंग, आगरामंडल, श्री वीरेंद्र सिंह आरक्षी (कांस्टेबल), रेलवे सुरक्षा बल, आगरा मंडल, श्री सुनील कुमार, वरिष्ठ खंड अभियंता/बजट, यांत्रिक,कारखाना झाँसी , श्री अजयकुमार, टेक्नीशियन-९, यांत्रिक, सिथौली कारखाना, श्री प्रशांत प्रकाश, वरिष्ठ खंड अभियंता, यांत्रिक,सी.एम.एल. आर, श्री राहुल राय वरिष्ठ खंड अभियंता/सिग्नल/च, सिग्नल एवं दूरसंचार एनसीआरपीयू, श्री खुमेंद्र नारायण, मुख्यस्वास्थ्य एवं मलेरिया निरीक्षक, यांत्रिक (म्डभ्ड), प्रयागराज, श्री शिवेश विक्रम मालवीय, स्टेशन अधीक्षक (ङ्खड) परिचालन, प्रयागराज,श्री जितेंद्र साव, वरिष्ठ खंड अभियंता/ म्डभ्ड, यांत्रिक झाँसी , श्रीआशुतोष कुमार राय, स्वास्थ्य निरीक्षक (ङ्खज्र) यांत्रिक(म्डभ्ड), आगरा शामिल थे।इनके अतिरिक्त पहली बार मंडलों मेंकार्यरत संविदा सफाई कर्मियों श्री कृष्णा, प्रयागराज,

श्री प्रदीप शर्मा,प्रयागराज, श्री अशोक झाँसी , श्री राजू डैंगर, ग्वालियर, श्री राजेश, आगरा, श्रीअजय कुमार, माथुर आदि संविदा कर्मियों का भी चयन पुरस्कारहेतु किया गया है। इस अवसर पर श्री नरेश पाल सिंह, सभीप्रधान विभागाध्यक्षों एवं महिला कल्याण संगठन की सदस्याओं ने 139 के बैनर के साथ तिरंगे गुब्बारे हवा में छोड़े। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इसके अंतर्गत उत्तर मध्य रेलवे संस्कृतिक टीम द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति के समूह गीत गायन (निर्देशन कु. ऋचा पाण्डेय, मो. फैजान अहमद, श्री रमाशंकर यादव एवं वादक- श्री विपुल पाण्डेय, श्री अनूप बनर्जी एवं श्री आकाश कुमार) ने उपस्थितजनों को देशप्रेम की भावना से अभिभूत कर दिया। इसी क्रम में श्रीमती पूर्णिमा एवं सुश्री अपराजिता के निर्देशन में टेंडरफीट के बच्चों द्वारा समूह नृत्य, सुश्री मंजू जोशी के निर्देशन में स्काउट एंड गाइड के बच्चों द्वारा एवं सुश्री मिताली वर्मा के निर्देशन में उत्तर मध्य रेलवे संस्कृतिक टीम द्वारा मनमोहक समूह नृत्य प्रस्तुत किए गए। इन रंगारंग कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह को देश भक्ति की भावना से भरते हुए सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस अवसर राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्षो को समर्पित एक प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। इस प्रदर्शनी में स्टैंडियों पर वर्ष 1923 में प्रकाशित चित्रों के माध्यम से वंदे मातरम को दर्शाने वाले एक एल्बम को आधार बनाकर गीत को दर्शाया गया था। ज्ञात हो कि उक्त चित्र कर्तव्यपथ पर भी प्रदर्शित किए गए है। इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में वंदे मातरम गीत का इतिहास और इसके अंग्रेजी और हिंदी में अनुवाद तथा ग्रामो फोन रिकॉर्डों के विषय में भी दर्शाया गया था। इस प्रदर्शनी में लगा सेल्फीबूथ भी अधिकारियों, कर्मचारियों और आगंतुकों के मध्य आकर्षण का केंद्र बनारहा। इस सेल्फी बूथ पर महाप्रबंधक महोदय सहित सभी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी फोटोखिंचवाई गई। समारोह के दौरान, महाप्रबंधक ने हमारे महान राष्ट्र के 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे के सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में महाप्रबंधक ने कहा कि,"अपने गौरवशाली राष्ट्र के 77वें गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर पूरे उत्त्तर मध्य रेल परिवार को मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह वह ऐतिहासिक दिन है जब 'पूर्ण स्वराज' की घोषणा के बीस वर्ष बाद हमारे गणतंत्र का उदभव हुआ और देश को अपना संविधान मिला। हमारे देश के जिन महान नायकों और नारी शक्ति के अदम्यसाहस और संघर्ष से हमें स्वतंत्रता हासिल हुई और हमारा राष्ट्र संप्रभु एवंलोकतांत्रिक गणतंत्र बना, उनका अप्रतिम योगदान हम सब के लिए सदैव स्मरणीय और वंदनीय रहेगा। इस पुनीत अवसर पर हम अपने उन सभी महान विभूतियों को, उनके त्याग और बलिदान के लिए कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करते हैं और उनको नमन करते हैं। यह वह अवसर भी है जब हम अपने पिछले कार्यनिष्पादनका मूल्यांकन करते हैं और भावी लक्ष्यों और योजनाओं पर भी विचार करते हैं।हम राष्ट्र की सेवा के अपने संकल्प के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। हमारी रेलवे भारतीय रेल के महत्वपूर्ण अंग के रूप में निरंतर अपना सराहनीय योगदान दे रही है। हमारी रेलवे एवं हमें किए जा रहे उल्लेखनीय एवं महत्वपूर्ण कार्यों के फलस्वरूप, हाल ही में आयोजित अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह के अवसर पर हमें सिगनलिंग एवं दूरसंचार दक्षता शील्ड का प्रतिष्ठापरक पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

इस उपलब्धि के लिए मैं टीम एनसीआर को उसके अथक एवं अनवरत प्रयासों के लिए अपनी हार्दिक बधाई देता हूं। हमारे ये प्रयास और योगदान मूलतः हमारेविद्युतीय कार्यनिष्पादन से परिलक्षित होते हैं। दिसंबर, 2025 तकमालभाड़ा अर्जन में हुई 12.65: की वृद्धि के परिणामस्वरूप, पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में हमारे सकल अर्जन में6.80: की उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

जुबैदा वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर ने 77वां गणतंत्र दिवस मनाया

प्रयागराज। करैली मे गणतंत्र दिवस का आयोजन हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि सोशल एक्टिविस्ट असरा नवाज़ ने समारोह मे कहा कि आज हम गणतंत्र दिवस मना रहे हैं। इस पावन अवसर पर सभी देशवासियो को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूँ और उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करती हूं,जिन्होंने देश की आज़ादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर को नमन,जिन्होंने हमें संविधान दिया.इस मोके पर जुबैदा वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर के सभी मेंबर्स शामिल थीं।

हर्षोल्लाससे मनाया गया गणतंत्र दिवस

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में ध्वजारोहण महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश ख़रे द्वारा किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम

का आयोजन सांस्कृतिक समिति की समन्वयक अर्चना खरे के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्वंदे मातरम् से हुआ।

इसके पश्चात एनसीसी गीत, प्रेरणा गीत गणतंत्र विषयक काव्य–पाठ तथा देशभक्ति पर आधारित प्रस्तुतियों ने वातावरण को राष्ट्रप्रेम से ओत–प्रोत कर दिया। काव्य–पाठ अरुणा आस्था सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया, जबकि नृत्य प्रस्तुतियाँ सौम्या, रिशू एवं शाम्भवी ने दीं। संगीत विभाग के छात्र–छात्राओं की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली बनाया। कार्यक्रम का सफल संचालन अनुश्री ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन विष्णु द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अध्यापकगण, छात्र–छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

यूजीसी बिल को लेकर सरकार को चेतावनी

प्रतापगढ़। जातिगत भेदभाव बढ़ाने वाले यूजीसी बिल पर राष्ट्रीय परशुराम सेना का प्रदर्शन, सरकार को दी चेतावनी .

यूजीसी बिल के खिलाफ राष्ट्रीय परशुराम सेना अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला के नेतृत्व में प्रदर्शन कर इस बिल को वापस लेने की मांग की गई। ट्रेज़री चौराहा से अम्बेडकर चौराहा से लेकर कलेक्ट्रेट

तक पदयात्रा निकालकर जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। सरकार से जातीय भेदभाव आधारित इस काले कानून को वापस लेने की माँग की गई।

कार्यक्रम में अभिषेक तिवारी, धर्मराज सिंह, बंटी तिवारी, विपुल मिश्र, नीरज मिश्रा विनोद मिश्रा संतोष तिवारी पंकज तिवारी शिवा पांडे समेत बड़ी संख्या में प्रदर्शन में लोग रहे मौजूद।

सम्भव सुनवाई के दौरान नगर आयुक्त, श्री साई तेजा ने सुनी फरियाद

प्रयागराज। सम्भव सुनवाई के दौरान नगर आयुक्त, श्री सीलम साईं तेजा ने सुनी फरियाद। अतिक्रमण, नामान्त्रण, जन्म प्रमाण पत्र संशोधन, नाला–नाली मरम्म्त, सड़क गली मरम्मत, सीवर, पेयजल आदि की शिकायत प्राप्त हुई। सुनवाई के दौरान मा0 पार्षदों द्वारा भी अपने–अपने क्षेत्रों की समस्याओं को दर्ज कराया।

नगर आयुक्त द्वारा समस्या का त्वरित निस्तारण कराया जाए।

नगर आयुक्त आईएएएस श्री सीलम साईं तेजा ने आज दिनांक 27 जनवरी 2026 मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान शिकायत ले कर आये हुए फरियादियों की शिकायतो को सुना गया। इस

जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी समस्याएं रखीं, जिनमें से अधिकांश शिकायतें अतिक्रमण, नामान्त्रण, जन्म प्रमाण पत्र संशोधन, नाला–नाली मरम्म्त, सड़क गली मरम्मत, सीवर, पेयजल आदि की शिकायत प्राप्त हुई। जनसुनवाई के दौरान श्री तेजा ने आम नागरिकों की समस्याएं न केवल ध्यानपूर्वक सुनीं, बल्कि तत्काल समाधान के निर्देश भी दिए। जनसुनवाई में आई शिकायतें पेयजल तथा सड़क–नाली निर्माण तथा अतिक्रमण आदि से जुड़ी रहीं।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पेयजल तथा नालों और नालियों की साफ–सफाई तथा जाम नालियों की शिकायत पर तत्काल नगर आयुक्त द्वारा कार्यवाही करवाते हुए शिकायत का निस्तारण का निर्देश दिए।

जोनल कार्यालय के सभी मा0 पार्षदगणें के साथ नगर आयुक्त द्वारा बैठक की गयी इस दौरान शहर में विभिन्न स्थानों चबूतरे, पेयजल, शौचालय/यूरिनल तथा शेड आदि की व्यवस्थाओं पर सुझाव लिए गये। प्रयागराज के वी0आई0पी0क्षेत्र में क्यूआरटी0 टीम की व्यवस्था किये जाने का अनुरोध किया जिससे साफ–साफई मार्ग प्रकाश, मलवा, अतिक्रमण जैसी समस्या को तत्काल निस्तारण का आदेश दिया।

एनयूजे प्रयागराज ने किया ध्वजा रोहण

गणतंत्र दिवस पर एनयूजे प्रयागराज का कलेन्डर का हुआ अनावरण

प्रयागराज। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट इंडिया के प्रयागराज जिला इकाई ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रमो का आयोजन किया। प्रातः 10.30 बजे एनयूजे कार्यालय सिविल लाइंस मे देश के आजादी के आंन्दोलन मे शहीद हुए देशभक्तो तथा सीमा की रक्षा करते हुए शहीद हुए जवानो को श्रदाजँली अर्पित करते हुए कार्यक्रम का शुरूआत कार्यक्रम मे मुख्य अतिथी के रूप मे समाज सेवी प्रखर श्रीवास्तव जी के उपस्थित मे जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने किया। मुख्य अतिथि प्रखर श्रीवास्तव ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहाँ कि पत्रकारो की निषपक्ष लेखनी ही तय करता है देश का भविष्य देश के सैनिको तथा मिडिया पर देश की जनता भरोसा करती है और यह दोनो लोग लगातार अपने कार्यों से भरोसा को बनाए रखे है यह हम सबके लिए सौभाग्य है। मुख्य अतिथी ने गणतंत्र दिवस की बधाई सभी उपस्थित पत्रकार साथियो को दी। कायक्रमो की श्रृखंला मे दोपर एक बजे बजे से नगर के जार्ज टाउन स्थित दूरिका अस्पताल सभागार मे भब्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथी समाज सेवी चिकित्सक तथा निदेशक दूरिका अस्पताल डॉ सुशील कुमार सिन्हा जी थे कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव थे संचालन अश्वनी श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम की देश के आन बान शान के मरमिटने वाले स्वाधीनता आंन्दोलन के शहीदो तथा देश की सुरक्षा मे शहीद होने वालो जवानो को श्रदाजँली देते हुए प्रारम्भ हुआ इसके बाद एनयूजे प्रयागराज के समस्त सदस्यो पदाधिकारियो

को परिचय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ इसके बाद मुख्य अतिथी दूारा एनयूजे प्रयागराज दूारा संगठन के वार्षिक कलेन्डर 2026 का अनावरण किया गया तत्पचात मुख्य अतिथी डॉ सुशील कुमार सिन्हा ने कार्यक्रमो को सम्बोधित करते हुए कहाँ कि निषपक्ष पत्रकारिता ही देश की ताकत होती है जो आप लोग कर रहे है मिडिया समाज तथा देश की सजग प्रहरी है और आप लोग सजग प्रहरी का दायित्व निभा रहे है एनयूजे प्रयागराज मे लगातार सदस्यो की संख्या बढ रही है यह बेहतर संकेत के साथ साथ संगठन के विश्वसनियता का परिचायक है पूरी टीम को बधाई।मै तो आप लोगो के साथ था है और रहूँगा इसी के साथ मुख्यअतिथी डॉ सिन्हा ने सभी पत्रकार साथियो को गणतंत्र दिवस की बधाई दी।

जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने सम्बोधित करते हुए कहाँ कि संगठन मे एकता और आपसी सौहार्द पर विशेष बल दिया जा रहा है हम सब एक परिवार है संगठन के लिए हर सदस्य महत्वपूर्ण है सभी के मान सम्मान का ध्यान रखा है जिसका परिणाम हम सब अपना कैलेन्डर जारी किया तथा जिले सबसे अधिक सदस्यो के संख्या वाले पत्रकार संगठन के रुप मे स्थापित किया इस पूरे उपलब्धि मे सभी सदस्यो पदाधिकारियो का पूर्ण सहयोग रहा। हमारी एकता ही हमारी पहचान है।

कार्यक्रम को विशेष रूप से सम्बोधित करने वालो मे मुलायम सिंह विशेन महामंत्री अखिलेश शुक्ला संगठन मंत्री चित्रांशी यादव सलाहकार समीति के सदस्य जे एन यादव जिया सिदीकी बिरेद्रं कुमार श्रीवास्तवआनन्द श्रीवास्तव मो नदीम उपाध्यक्ष मधुर दरबारी उपाध्यक्ष मो 0रिजवान उपाध्यक्ष धमेद्रं कुमार श्रीवास्तव उपाध्यक्ष सुशांत त्रिपाठी उपाध्यक्ष अशफी खान भाल चद्रं पान्डेय मंत्री देवाशीष श्रीवास्तव मंत्री गंगापार प्रभारी रतन शुक्ला ने सम्बोधित किया।

कार्यक्रम उपस्थित सर्वश्री अश्वनी श्रीवास्तव मुलायम सिंह विशेन चित्रांशी यादव अखिलेश शुक्ला मनोज कुमार अरूणेद्रं सिंह राकेश कुमार पाल रतन शुकला आदर्श दूबे बिरेद्रं कुमार श्रीवास्तव मो जिया सिदिकी अनिल कुमार यादव बी के यादव जितेद्रं कुमार सिंह शाहिद खान नदीम सिदीकी दिब्या सिंह रजनी पान्डेय मधुर दरबारी रंजीत निषाद धमेद्रं कुमार श्रीवास्तव शीतला प्रसाद तिवारी ए के मौर्या शिवम मालवीय मो नसीम कृष्णमूर्ति यादव देवाशीष श्रीवास्तव राम कैलाश कन्नौजिया शनी कुमार केसरवानी मो रिजवान अशफी खान मो अफरोज सिदीकी शहनवाज अहमद मो वदीम हरिशंकर जितेद्रं कुमार पंकज कुमार पाल आनन्द श्रीवास्तव नफीस अहमद गंगा प्रसाद अखिलेश स्थाना कुलदीप कुमार रामबाबू अमित श्रीवास्तव सुशांत त्रिपाठी आनन्द कुमार निषाद शेखर आदशर्श सौरभ कुमार आदर्श नागेद्रं सिंह शिव पान्डेय भालचद्रं पान्डेय सैय्यद सुहैल हनीफ डॉ सुधाकर पान्डेय आदि सदस्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रयागराज मण्डल/उत्तर मध्य रेलवे ने मनाया गया 77वाँ गणतंत्र दिवस

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 132 रेलकर्मियों को मण्डल रेल प्रबंधक महोदय ने किया पुरस्कृत

प्रयागराज। मण्डल रेल प्रबंधक/प्रयागराज श्री रजनीश अग्रवाल के नेतृत्व में 77 वाँ गणतंत्र दिवस डीएसए ग्राउंड में उल्लास के साथ मनाया गया। मण्डल रेल प्रबंधक/प्रयागराज ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया कार्यक्रम के बढ़ते हुए क्रम में उन्होंने रेलवे सुरक्षा बल, भारत स्काउट गाइड, सिविल डिफेंस एवं जॉन एंबुलेंस बिग्रेड की परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर महिला कल्याण समिति/प्रयागराज मण्डल की उपाध्यक्षा, श्रीमती तरुणा प्रकाश, श्रीमती प्रज्ञा दीपक कुमार सदस्या, श्रीमती निहारिका सिंह' श्रीमती अनु श्री सहित संगठन की अन्य सदस्याएं भी उपस्थित रही। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक/ सामान्य, श्री दीपक कुमार; अपर मंडल रेल प्रबंधक/इंफ्रा श्री नवीन प्रकाश, वरिष्ठ मण्डल सुरक्षा आयुक्त, श्री विजय प्रकाश पंडित; वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी, श्री वैभव कुमार गुप्ता सहित प्रयागराज मंडल के अन्य शाखाधिकारी, अधिकारीगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी को संबोधित करते हुए कहा कि ष्आज का यह दिन भारतीय इतिहास में अत्यंत गौरवपूर्ण एवं स्मरणीय है। यह वही ऐतिहासिक अवसर है जब 'पूर्ण स्वराज' की घोषणा के लगभग दो दशकों बाद, 26 जनवरी 1950 को भारत ने अपना संविधान अंगीकार कर गणतंत्र के रूप में नवजीवन प्राप्त किया। यह दिन लगभग दो सौ वर्षों की दासता के विरुद्ध चले अथक स्वतंत्रता संग्राम का स्वर्णिम प्रतिफल है।

इस स्वतंत्रता और गणतंत्र को प्राप्त करने के लिए हमारे देश के असंख्य वीर सपूतों और महापुरुषों ने अपने प्राणों की आहुति तक दे दी। यह हमारा परम सौभाग्य है कि हम स्वतंत्र भारत में जन्म लेकर उनके त्याग, तप और बलिदान के फलस्वरूप प्राप्त आज़ादी का अनुभव कर रहे हैं। आज यह हम सबका दायित्व है कि राष्ट्रीय ध्वज के नीचे खड़े होकर भारत गणतंत्र के प्रति अपनी निष्ठा दोहराएँ तथा देश की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करें।

26 जनवरी 1950 को जिस भारत गणराज्य की नींव रखी गई थी, वह राष्ट्र आज विश्व पटल पर सशक्त, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर खड़ा है। भारतीय रेल

के सदस्य होने के नाते यह हमारा परम कर्तव्य है कि देश की आर्थिक एवं सामाजिक संरचना को सुदृढ़ करने में अपनी भूमिका पूरी निष्ठा से निभाएँ तथा देशवासियों को सुरक्षित, सुगम और गुणवत्तापूर्ण परिवहन सुविधाएँ उपलब्ध कराएँ।

मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज ने कहा की यह कहते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि आप सभी के सतत सहयोग, परिश्रम और समर्पण के फलस्वरूप प्रयागराज मंडल में अवसंरचना एवं यात्री सुविधाओं में निरंतर उल्लेखनीय सुधार हुआ है। साथ ही, मंडल के बहुमूल्य मानव संसाधन के कल्याण एवं हित संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यदि हमें वास्तव में अपने स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और संघर्ष का सम्मान करना है, तो हमें अपने विगत कार्य निष्पादन का निष्पक्ष मूल्यांकन करते हुए भविष्य की योजनाओं को पूरी निष्ठा, प्रतिबद्धता और कर्मठता से क्रियान्वित करना होगा।

गत वर्ष प्रयागराज महाकुंभ के सफल आयोजन के पश्चात इस वर्ष माघ मेला–2026 का आयोजन भी भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से किया जा रहा है। भारतीय रेलवे, जो राष्ट्र की जीवन रेखा है, दशकों से माघ मेला के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं की सेवा करती आ रही है। इसी क्रम में प्रयागराज मंडल द्वारा भी तीर्थयात्रियों के सुरक्षित एवं सुगम आवागमन हेतु उत्कृष्ट, व्यापक और सुविचारित तैयारियाँ की गई हैं।

माघ मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन, अतिरिक्त टिकट काउंटरों की व्यवस्था तथा व्यापक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। यात्रियों की भीड़ एवं यात्री सुविधाओं की सतत निगरानी हेतु प्रयागराज मंडल कार्यालय स्थित डिवीजनल वॉर रूम को मंडल के 9 प्रमुख स्टेशनों के सीसीटीवी नेटवर्क से जोड़ा गया है, तथा इसकी जोनल मॉनिटरिंग उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय वॉर रूम से की जा रही है।

मंडल रेल प्रबंधक ने वित्तीय वर्ष के दौरान प्रयागराज मंडल की उख्लब्धियों को रेखांकित करते हुये कहा कि प्रयागराज मंडल ने कुशल समन्वय एवं प्रभावी योजना के परिणामस्वरूप दिसंबर 2025 में मेंटेनेंस ब्लॉक के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। ठब्ड मशीन द्वारा डीप स्क्रीनिंग कार्य हेतु 06 घंटे 40 मिनट का ट्रैफिक ब्लॉक प्रदान किया गया, जिसके अंतर्गत एक ही ब्लॉक में 2,421 मीटर डीप स्क्रीनिंग कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इसके अतिरिक्त, च्फै कार्य के लिए 05 घंटे 25 मिनट का ट्रैफिक ब्लॉक दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप एक ही ब्लॉक में 705.6 मीटर (56 पैनल) का कार्य पूरा किया गया।। रूट पर प्रयागराज मंडल द्वारा किया गया यह प्रदर्शन भारतीय रेलवे में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के रूप में उल्लेखनीय है।

यात्रियों एवं गाड़ियों की संरक्षा को बढ़ाने एवं सुरक्षित व सुगम आवागमन सुनिश्चित के करने लिए चालू वित्तीय वर्ष में 5 स्टेशनों का नॉन इंटरलॉक कार्य किया गया। यात्रियों की सुविधा और संरक्षा को बेहतर करने के दृष्टिगत 12 उपरिगामी पैदल पुलों (थ्ठ) का निर्माण किया गया एवं 27 उपरिगामी पैदल पुलों की रिपेयरिंग का कार्य किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक ने वित्तीय वर्ष के दौरान प्रयागराज मंडल की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुये आगे बताया कि लदान में प्रयागराज मंडल ने विगत वर्ष के माह अप्रैल से दिसंबर तक के 5.435 मिलियन टन की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में इसी समयावधि में 5.623 मिलियन टन का लदान किया जो कि विगत वर्ष में हुई लदान की तुलना में 3.5 प्रतिशत अधिक है। वित्तीय वर्ष के दौरान यात्री आय से 1273 करोड़, अन्य कोचिंग आय से 94 करोड़, माल भाड़ा से 654 करोड़ की आय एवं विविध से 29 करोड़ की आय अर्जित की गई है यह गत वर्ष के इसी समयावधि की तुलना में क्रमशः 0.39 प्रतिशत, 3.06 प्रतिशत, 1.68 प्रतिशत एवं 12.30 प्रतिशत अधिक रही है।

वित्तीय वर्ष के दौरान डीजल इंजन एवं विद्युत इंजन की सकल उपयोगिता क्रमशः 191.9 किमी./दिन एवं 165.3 कि.मी./दिन रही जो कि गत वर्ष के इसी समयावधि में की तुलना में 26.1 प्रतिशत एवं 13.7 प्रतिशत अधिक है।

जलेबी गुड़ की

(छप्पय)

गंगा का है तीर, जलेबी गुड़ की आयी।
जिसने खाया इसे, उसी के मन को भायी।
अंतत नीर समान भले लगती है काली।
हरती सभी थकान न करती बात खयाली।
भक्तों ने खाकर कहा हरि का प्रेम प्रसाद है।
जिसके रस की धार में संगम का संवाद है।.

पावन भूमि प्रयाग धर्म की अद्बभुत नगरी।
छोटी सी भी बात जहाँ की होती गहरी।
बिकती है उस जगह जलेबी गुड़ की काली।
रख मीठा व्यवहार, करे सबकी रखवाली।
जिसने भी खाया इसे कहता है केवल यही।
ऊर्जा का यह स्त्रोत है जैसे चूड़ा गुड़ दही।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मदद फाउंडेशन के राष्ट्रीय कार्यालय पर गरिमामय ढंग से संपन्न हुआ झंडारोहण कार्यक्रम

प्रयागराज। मदद फाउंडेशन के राष्ट्रीय कार्यालय संगम विहार हवेलिया, झूसी, प्रयागराज में आज राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर झंडारोहण का कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के मार्गदर्शक पं. श्री कैलाश नाथ तिवारी, पूर्व प्रवक्ता नागरिक इंटर कॉलेज जंघई द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रगान गाकर देश के प्रति अपनी आस्था और सम्मान प्रकट किया।

इस अवसर पर मदद फाउंडेशन के संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी ने अपने संदेश में कहा कि संस्था समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुँचाने के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने "रविवार की रसोई" एवं "सर्दी के सिपाही" जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन

अभियानों के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र एवं सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जो सेवा और समर्पण की भावना का सशक्त उदाहरण है। प्रदेश अध्यक्ष अजय सिंह ने अपने वक्तव्य में मदद फाउंडेशन की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी के नेतृत्व में सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर उल्लेखनीय कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संस्था की कार्यशैली पारदर्शी और समाजोपयोगी है, जो अन्य संगठनों के लिए प्रेरणास्रोत है।

प्रदेश उपाध्यक्ष कुशलेश दुबे ने कहा कि मदद फाउंडेशन ने कम समय में समाज में अपनी एक मजबूत पहचान बनाई है। उन्होंने संस्थापक की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका नेतृत्व संस्था को नई ऊँचाइयों तक ले जा रहा है।

संस्था के सक्रिय सदस्य यश शर्मा ने कहा कि मदद फाउंडेशन केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सेवा का एक आंदोलन है, जिसमें हर कार्यकर्ता समाज के प्रति जिम्मेदारी निभा रहा है। वहीं सक्रिय सदस्य राजेंद्र पाल ने कहा कि संस्थापक एवं पूरी टीम का समर्पण ही संस्था की सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिवप्रकाश मिश्रा, डॉ. के. आर. सिंह यादव, प्रवीण मिश्रा, अखिलानंद शुक्ला, प्रदीप पांडेय सहित दर्जनों सम्मानित गण एवं संस्था के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित और सामाजिक सेवा के संकल्प के साथ किया गया।

आरेडिका में 77वें गणतंत्र दिवस पर वंदे मातरम् की गूंज साथ लहराया तिरंगा

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना दिनांक 26.01.2026 को 77वें गणतंत्र दिवस पर वंदे मातरम् राष्ट्रीय गीत की ध्वनि साथ तिरंगा रंग में रंग गया। गणतंत्र दिवस का मुख्य कार्यक्रम आरेडिका आवासीय परिसर के क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित किया गया। महाप्रबंधक श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा ने तिरंगा फहराया तथा लोगों को संबोधित किया। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा उत्कृष्ट परेड का प्रदर्शन किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश कल्याण निगम लिमिटेड, भारत स्काउट एण्ड गाइड की टीमें शामिल रहीं।।

महाप्रबंधक महोदय ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आरेडिका परिवार के लोगों को बधाई दी। अपने अभिभाषण में उन्होंने कहा कि, हमारा यह कर्तव्य है कि हम आपसी एकता और भाईचारे को बनाए रखते हुए काम करें और देश की उन्नति में

अपना योगदान दें। आगे आरेडिका की उपलब्धियों का विस्तार से वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि हमने अब तक 15,000 कोचों का उत्पादन कर राष्ट्र को रेल संचालन के लिए समर्पित किया है। आरेडिका फरवरी माह के प्रारम्भ में 16 डिब्बों वाले वंदे भारत चेयर कार का प्रथम रेक का कार्य पूर्ण कर देश सेवा के लिए समर्पित करने जा रहा है। फोर्ज्ड व्हीलों के लिए इस वर्ष रेलवे बोर्ड की तरफ से आरेडिका को 50,000 फोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है जिसके सापेक्ष हमने स्वंय के लिए 60,000 पहियों का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में दिसम्बर माह तक 49,226 पहियों की फोर्जिंग और 45,021 पहियों की मशीनिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए इस वर्ष का100 मिलियन लीटर भू–जल संरक्षण का कार्य प्रगति पर है जिसमें 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसी के साथ हमारी कुल भू–जल संरक्षण क्षमता 730 मिलियन लीटर हो गयी है। सौर ऊर्जा के विकास के लिए सेवा भवनों पर रूफ टॉप सोलर पैनल स्थापित किए जा रहे है जिससे आरेडिका की सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता बढ़कर 5.13 मेगावाट हो गयी। इस अवसर पर सांस्कृतिक संगठन द्वारा भव्य रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें देश भक्ति गीत, समूह गान और नृत्य प्रस्तुत किया गया।

सम्पादकीय.......

एक खुले बजट की ओर

बजट की गोपनीयता की रस्म, जो औपनिवेशिक काल के रहस्य में लिपटी हुई है और बदनाम 'बजट बंकर' द्वारा दर्शाई गई नाटकीय सख्ती के साथ लागू की जाती है, 21वीं सदी के लोकतंत्र में एक पुरानी बात लगती है, जो पारदर्शिता और भागीदारी वाली शासन व्यवस्था के लिए कोशिश कर रहा है। यह परंपरा, जिसमें केंद्रीय बजट संसद में तय दिन पर ही खोला जाता है, समझदारी भरे आ्थ्थक प्रबंधन का स्तंभ कम और पुरानी औपनिवेशिक मानसिकता का अवशेष ज्यादा है। इस अवधारणा के जनक रॉबर्ट वालपोल थे, जो ब्रिटेन के पहले प्रधानमंत्री थे (और अपने प्रधानमंत्रित्व काल में चांसलर ऑफ एक्सचेकर भी थे)। 1733 में, वालपोल के विरोधियों ने उनके टैक्स प्रस्तावों का मजाक उड़ाते हुए उन्हें जादूगर की चाल बताया और 'द बजट ओपन्ड' शीर्षक से एक पैम्फलेट प्रकाशित किया, जिसमें वित्तीय योजना को 'चालों की थैली' से प्रकट किया गया एक 'महान रहस्य' बताया गया था। वालपोल और तब से हर चांसलर ने अपने वित्तीय प्रस्तावों की गोपनीयता का इस्तेमाल सट्टेबाजी वाले बाजार के हितों की रक्षा करने की बजाय संसदीय विरोधियों को मात देने और जनता के गुस्से को कम करने के लिए किया। इस प्रथा को ब्रिटिश भारत में लाया गया और तेज किया गया, जहां बजट लोकतांत्रिक बातचीत का नहीं, बल्कि शाही शोषण का एक उपकरण था। आज के नॉर्थ ब्लॉक का बजट बंकर औपनिवेशिक किलेबंदी वाली मानसिकता का सीधा वंशज है। इस गोपनीयता के क्लासिक तर्क आधुनिक संदर्भ में कमजोर हैं। रियल–टाइम डाटा एनालिटिक्स, एल्गोरिदमिक ट्रेड्क्षडग और वैश्विक पूंजी प्रवाह के युग में, यह धारणा कि कुछ हफ्तों की गुप्त तैयारी बाजारों को प्रभावी ढंग से 'हैरान' कर सकती है, भोली है। इसकी बजाय, जटिल वित्तीय और टैक्स उपायों की अचानक, बड़े पैमाने पर घोषणा अक्सर अस्थिरता पैदा करती है क्योंकि बाजार बिना किसी विश्लेषक की पहले की जांच या चरणबद्ध बहस के सैंकड़ों पन्नों की घनी नीति को समझने की कोशिश करते हैं। यह जिस असली सट्टेबाजी को बढ़ावा देता है, वह राजनीतिक किस्म की होती है–उन्मादी मीडिया अटकलें और लॉबिस्टों की फुसफुसाहट वाली मुहिम, जो सूचना के अभाव में पनपती है। इसके अलावा, यह दावा कि गोपनीयता अनुचित लाभ को रोकती है, खोखला है, जब हम यह सोचते हैं कि परिष्कृत कॉर्पोरेट संस्थाओं के पास आम नागरिक या छोटे व्यवसाय की तुलना में तत्काल बजट घोषणा का विश्लेषण करने और उस पर प्रतिक्रिया करने के लिए हमेशा अधिक संसाधन होते हैं। स्वीडन, नीदरलैंड्स और जर्मनी जैसे देश ओपन बजट बनाने के सिद्धांतों पर काम करते हैं। मुख्य पैरामीटर–वित्तीय सीमाएं, प्रमुख नीति दिशा, राजस्व पूर्वानुमान महीनों पहले प्रकाशित किए जाते हैं और उन पर बहस होती है। फ्रांस भी एक पारिभाषित मल्टी–ईयर वित्तीय ढांचे के भीतर बजट पर एक व्यापक सार्वजनिक और संसदीय चर्चा करता है। विधायिका सालाना तमाशे के लिए एक निष्क्रिय दर्शक बनने की बजाय शासन में एक भागीदार बन जाती है। ऐसी पारदर्शिता का सीधा संबंध उच्च क्रैडिट रेटिंग, कम उधार लागत और अधिक वित्तीय स्थिरता से है – ऐसे परिणाम, जिनकी भारत को सख्त जरूरत है। भारत के लिए ऐसे मॉडल की ओर बढने के फायदे बहुत ज्यादा हैं। सबसे पहले, यह कार्यपालिका पर एक मजबूत अनुशासन लागू करता है। दूसरा, यह ठोस पॉलिसी में तालमेल को बढ़ावा देता है। जब बड़ी पहल, चाहे वह कोई नई वैल्फेयर स्कीम हो या डिफैंस मॉडर्नाइजेशन प्लान, बजट से पहले के बयान में बताई जाती हैं, तो संसदीय समितियां हितधारकों से चर्चा कर, उनकी व्यवहार्यता का आकलन और लंबे समय के राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ तालमेल का मूल्यांकन कर सकती हैं। तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह राजनीतिक रूप से तय किए गए आ्थ्थक पैकेजों के लगातार विवाद को खत्म कर देगा। अगर इन आबंटनों पर खुले बजट फ्रेमवर्क के हिस्से के रूप में चर्चा की जाती है, तो उनका जरूरत, प्रदर्शन और समानता के वस्तुनिष्ठ मानदंडों के आधार पर मूल्यांकन किया जा सकता है, जिससे उन्हें ज्यादा वैधता मिलेगी। भारत के लिए आगे का रास्ता धीरे–धीरे, सोच–समझकर कैलिब्रेटेड खुलापन अपनाना है। यह प्रक्रिया बजट दिवस से दो–तीन महीने पहले एक अनिवार्य प्री–बजट वित्तीय रणनीति विवरण के साथ शुरू हो सकती है। साथ ही, टैक्स प्रस्तावों पर एक तकनीकी दस्तावेज एडवांस रूलिंग अथॉरिटी और विशेषज्ञों के एक चुनिंदा पैनल के साथ कड़ी गोपनीयता के तहत सांझा किया जा सकता है ताकि प्रशासनिक व्यवहार्यता की जांच की जा सके और केवल सटीक दर परिवर्तनों की घोषणा उसी दिन की जाए। अब समय आ गया है कि हम अपनी वित्तीय योजना के केंद्र में सूचित बहस की रोशनी लाएं, क्योंकि जैसा कि जस्टिस लुई ब्रैंडिस की प्रसिद्ध पंक्तियां हैं,

यूजीसी के नए नियम और ओबीसी समाज: खुश होने से पहले सतर्कता जरूरी

अमर बहादुर मौर्य

यूजीसी के नए नियमों को लेकर पिछड़े वर्ग (ओबीसी) समाज के एक हिस्से में खुशी दिखाई दे रही है। लेकिन इतिहास और हाल के अनुभवों को देखते हुए यह खुशी कहीं जल्दबाजी तो नहींकृइस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। देश में पिछड़े वर्ग के अधिकारों को लेकर बार–बार बड़े–बड़े दावे किए गए हैं, लेकिन जमीनी हकीकत अक्सर इन दावों के बिल्कुल उलट रही है। जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया था, तब भी यही कहा गया था कि अब पिछड़े वर्ग के अधिकारों की लूट नहीं होगी। उस समय इसे ऐतिहासिक कदम बताया गया और ओबीसी समाज में एक उम्मीद जगी। लेकिन इसके बाद उत्तर प्रदेश में 69,000 शिक्षक भर्ती का मामला सामने आया, जिसने इन दावों की पोल खोल दी। इस भर्ती प्रक्रिया में पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ व्यापक स्तर पर अन्याय किया गया। इस मामले में पीड़ित अभ्यर्थियों ने जब राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग का दरवाजा खटखटाया, तो आयोग ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि वास्तव में पिछड़े वर्ग के साथ अन्याय हुआ है। यह कोई आरोप नहीं था, बल्कि संवैधानिक संस्था की आधिकारिक रिपोर्ट थी। इसके बावजूद सरकार ने न तो उस रिपोर्ट को गंभीरता से लिया और न ही पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए कोई ठोस कदम उठाया। सरकार सब कुछ जानते हुए भी अंजान बनी रही और इस पूरे मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। ऐसे अनुभवों के बाद यह सवाल स्वाभाविक है कि यूजीसी के नए नियमों पर पिछड़े वर्ग को इतना खुश क्यों होना चाहिए? क्या यह भी एक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा नहीं है? भाजपा की मोदी सरकार का अब तक का रिकॉर्ड यही बताता है कि वह नीतियों और घोषणाओं का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए करती है। जब तक कोई मुद्दा चुनावी या राजनीतिक रूप से फायदेमंद रहता है, तब तक उसे हवा दी जाती है, और जैसे ही उद्देश्य पूरा हो जाता है, उसे चुपचाप किनारे कर दिया जाता है। यूजीसी के नए नियमों को भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। जिस तरह से इसे प्रचारित किया जा रहा है, उससे ऐसा लगता है कि पिछड़े वर्ग के लिए यह कोई बड़ा ऐतिहासिक कदम है। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह नियम जमीनी स्तर पर लागू होंगे? क्या इनके उल्लंघन पर कोई सख्त कार्रवाई होगी? या फिर यह भी केवल कागजी सुधार बनकर रह जाएंगे? इस पूरे मुद्दे का एक और महत्वपूर्ण पहलू हैकृजातीय जनगणना। आज देश में पिछड़े वर्ग के वास्तविक आंकड़ों को सामने लाने की मांग तेज हो रही है। जातीय जनगणना से यह स्पष्ट हो जाएगा कि ओबीसी, दलित और अन्य वंचित वर्गों की संख्या कितनी है और उन्हें संसाधनों में कितना हिस्सा मिल रहा है। यही वजह है कि सत्ता में बैठे लोग इस मुद्दे से असहज हैं। यूजीसी के नए नियमों को जरूरत से ज्यादा तूल देने का एक उद्देश्य यह भी हो सकता है कि पिछड़े वर्ग का ध्यान जातीय जनगणना जैसे मूलभूत मुद्दे से भटकाया जाए। जब तक समाज इन प्रतीकात्मक घोषणाओं में उलझा रहेगा, तब तक वास्तविक सवालकृजैसे प्रतिनिधि ात्व, आरक्षण का सही क्रियान्वयन और जनसंख्या के अनुपात में हिस्सेदारीकृपीछे छूटते रहेंगे। इसलिए पिछड़े वर्ग के समाज को भावनाओं में बहने के बजाय सतर्क और सजग रहने की आवश्यकता है। खुश होने से पहले यह देखना जरूरी है कि नीतियां सिर्फ घोषित हो रही हैं या वास्तव में लागू भी हो रही हैं। इतिहास गवाह है कि अधि ाकार भाषणों से नहीं, बल्कि निरंतर संघर्ष और दबाव से मिलते हैं। ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) आरक्षण की व्यवस्था को लेकर देश में शुरू से ही गंभीर संवैधानिक और सामाजिक बहस रही है। यह आरक्षण समानता के अधि ाकार के मूल सिद्धांत के विपरीत जाकर लागू किया गया है और पारंपरिक आरक्षण मानकों को तोड़ता हुआ दिखाई देता है। भारतीय संविधान में आरक्षण की अवधारणा सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन को आधार मानकर विकसित की गई थी, न कि केवल आर्थिक स्थिति को। ऐसे में ईडब्ल्यूएस को एक अलग श्रेणी के रूप में लागू करना संविधान की मूल भावना पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। इस घोर अन्याय के बावजूद यह देखने में आया कि पिछड़ा और दलित वर्ग बड़े पैमाने पर सड़कों पर उतरकर विरोध करता नजर नहीं आया। इसका एक प्रमुख कारण यह है कि यह वर्ग सदियों से गरीबी, भेदभाव और अभाव का शिकार रहा है। जब ईडब्ल्यूएस जैसे अव्यावहारिक आरक्षण को गरीबी के नाम पर प्रस्तुत किया गया, तो अनेक लोगों ने इसे अपने संघर्षों से जुड़ा मानकर इसका खुला विरोध नहीं किया। जबकि वास्तविकता यह है कि सामाजिक भेदभाव और ऐतिहासिक उत्पीड़न को नजरअंदाज कर केवल आर्थिक आधार पर आरक्षण देना, वंचित वर्गों के अधिकारों को कमजोर करता है। गौर करने वाली बात यह भी है कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण के विरोध में स्वयं न्यायपालिका के भीतर से आवाजें उठीं। तत्कालीन चीफ जस्टिस यू.यू. ललित सहित सुप्रीम कोर्ट के कुछ न्यायाधीशों ने अपने असहमति नोट में ईडब्ल्यूएस को संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ बताया था। इसके बावजूद सरकार द्वारा इसे लागू करना यह दर्शाता है कि नीतिगत निर्णयों में वंचित वर्गों की वास्तविक चिंताओं को गंभीरता से नहीं लिया गया। आज स्थिति यह है कि ईडब्ल्यूएस के तहत मनमाने ढंग से नौकरियां और अवसर दिए जा रहे हैं, जबकि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट आए पांच वर्ष बीत जाने के बाद भी ओबीसी और दलित वर्ग के लाखों पीड़ित अभ्यर्थी सड़कों पर संघर्ष करने को मजबूर हैं। शिक्षा और रोजगार में उनका प्रतिनिधित्व लगातार घटता जा रहा है। ऐसे में यूजीसी का नया नियम भी चिंता का विषय है, क्योंकि यह ओबीसी समाज पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। अब समय आ गया है कि समाज यह समझे कि वास्तविक सामाजिक न्याय क्या है। यदि नीतियां केवल दिखावटी समानता पर आधारित होंगी और ऐतिहासिक अन्याय को अनदेखा करेंगी, तो असमानता और गहरी होगी। सामाजिक न्याय के लिए जरूरी है कि आरक्षण की मूल अवधारणा को कमजोर नहीं, बल्कि और अधिक सशक्त किया जाए।

एक नया वर्ल्ड ऑर्डर बनाने के लिए कार्नी का बिगुल

दरबारा सिंह

20 जनवरी, 2026 को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने दावोस (स्विट्जरलैंड) में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए अपनी गहरी, दूर की सोच वाली और दमदार स्पीच, जिसे उन्होंने खुद लिखा था, में दुनिया भर के सभी मिडल क्लास देशों से एक नया वर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन बनाने की अपील की। कनाडा का स्टैंड साफ करते हुए, उन्होंने पूरी दुनिया में उस भेडिघ्ए के खिलाफ हिम्मत से अपनी आवाज उठाई जो बार–बार उनके दरवाजे पर दस्तक दे रहा है, यानी अमरीका का नाम लिए बिना, उन्होंने कहा कि कनाडा के पास वह सब कुछ है जो दुनिया चाहती है। हम एनर्जी सैक्टर में एक सुपरपावर हैं। हमारे पास बहुत रिच मिनरल्स हैं। हमारे पास रिसोर्स हैं। हमारे लोग पढ़े–लिखे हैं, हमारा पैंशन सिस्टम सबसे अच्छा है। हमारे पास कैपिटल है, स्किल्स हैं और हमारे पास एक फाइनांशियल सिस्टम और अच्छी गवर्नैंस वाली सरकार वाला देश है। हमारे पास ऊंचे स्तर के मूल्य हैं। कनाडा एक बहुत ही फ्रैंडली समाज है और यह पूरी एनर्जी के साथ काम कर रहा है। हमारी ताकत हमारी ईमानदारी है। हम मौजूदा टूटे–फूटे और सड़े–गले ग्लोबल सिस्टम से बाहर आ गए हैं। हमारे पास अपना अच्छा, ताकतवर और न्याय पर आध ारित कनाडा बनाने की ताकत है। इसी तरह, दुनिया की सभी मिडल पावर्स को इससे बाहर आना चाहिए। अब उन्हें एक साथ आकर एक नया इंटरनैशनल सिस्टम बनाने की जरूरत है। कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा कि आज, भेडियों और डाकुओं का रूप ले चुकी सुपरपावर्स से किसी भी देश की सॉवरेनिटी सुरक्षित नहीं है। पूरी दुनिया के देश उनसे डरे हुए हैं। वेनेजुएला में क्या हुआ? एक कायर डाकू का रूप लेकर, प्रैसिडैंट डोनाल्ड ट्रम्प ने वहां के प्रैसिडैंट निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को उनके बिस्तर से किडनैप कर लिया और उन्हें अमरीका ले आए। दुनिया के किसी भी देश ने कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। अमरीका और उसके साथी इसराईल ने गाजा पट्टी को तबाह कर दिया। 70 हजार से ज्यादा लोग मारे गए, लाखों घायल और बेघर हो गए। कई लोग भूख से मर रहे हैं। लेकिन सुपरपावर्स के डर से किसी भी देश ने कुछ नहीं किया। वे ईरान को भी खत्म करना चाहते थे लेकिन उसके ताकत दिखाने की वजह से उन्हें समझौता करना पड़ा। अब उन्होंने उसे फिर से उखाड़ फैंकने की कोशिश की। सी.आई.ए. और मोसाद ने ईरान में पब्लिक विद्रोह पैदा करने की नाकाम कोशिश की। यूक्रेन पर रूस का हमला 24 फरवरी, 2022 से चल रहा है, लेकिन अभी तक किसी भी सुपरपावर ने वहां शांति स्थापित करने की सच्ची कोशिश नहीं की। कार्नी ने साफ कहा कि पश्चिमी देश भी इस झूठ के शिकार हो गए और अपने निजी फायदे और हितों के लिए अमरीका के साथ हो लिए। अब हालत यह है कि अमरीका पूरी दुनिया में अपनी मोनोपॉली का दबदबा बनाना चाहता है और मौजूदा संस्थाओं की जगह अपने दबदबे में एक 'बोर्ड ऑफ पीस' बनाकर पूरी दुनिया का नक्शा बदलना चाहता है, जिसका वह जिंदगी भर चेयरमैन रहेगा। उसने भारत समेत 60 देशों को इस बोर्ड का मैंबर बनने के लिए बुलाया है। जो एक अरब डालर देगा उसे परमानैंट मैंबरशिप दी जाएगी। क्या ऐसे सिस्टम में किसी देश की सॉवरेनिटी सुरक्षित रहेगी? इसलिए इस सिस्टम से बचने के लिए, मीडियम पावर वाले देशों को आपसी सहयोग, बराबरी और न्याय पर आधारित एक नया इंटरनैशनल सिस्टम बनाने के लिए एक साथ आगे आना होगा। अमरीकी कांग्रेस और लोकतंत्र से प्यार करने वाले अमरीकी लोग अपना 80 साल पुराना विवेक आत्ममुग्ध राष्ट्रपति ट्रम्प के हाथों खो चुके हैं, जो नाजी हिटलर और फासिस्ट मुसोलिनी के रास्ते पर चल रहे हैं और हर दिन पड़ोसी राज्यों को धमका रहे हैं। दुनिया को तीसरे महायुद्ध की ओर धकेला जा रहा है। अमरीकी नागरिकों और कांग्रेस का यह कर्तव्य है कि वे अपने देश की तरक्की, खुशहाली और विश्व शांति के लिए ऐसे आधे पागल राष्ट्रपति पर लगाम लगाएं। 25वां संविधान संशोधन तुरंत लागू करें और उन्हें पद से हटाएं। ऐसा नहीं है कि दूसरे देशों के नेताओं को इस सच्चाई का पता नहीं था, लेकिन उनमें ऐसा कहने और बोलने की ताकत नहीं थी। कनाडा के प्रध ाानमंत्री मार्क कार्नी ने ऐतिहासिक साहस के साथ वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में महाशक्तियों की चुनौती को स्वीकार किया और अपने भाषण के जरिए एक नई विश्व व्यवस्था पेश करके पूरी दुनिया को हिला दिया। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी दावोस में अमरीकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मिले बिना ही देश लौट आए। ट्रम्प को ग्रीनलैंड का सपोर्ट करने वाले यूरोपियन देशों पर लगाया गया 10 प्रतिशत टैरिफ वापस लेना पड़ा। यह प्रैसिडैंट कितना बेवकूफ है जो अपने पड़ोसियों और नाटो जैसे अपने साथियों को दुश्मन बनाना, उन्हें परेशान करना, इलाके हड़पना, गलत टैरिफ लगाना और उन्हें धमकाना बंद नहीं करता। तो, अगर आज दुनिया के मिडिल–इंकम वाले देश डोनाल्ड ट्रम्प की अमरीकन फासीवादी मोनोपॉली, शी जिनपिंग के चीनी विस्तारवाद और व्लादिमीर पुतिन की दादागिरी से अपनी सॉवरेनिटी, आजादी और अखंडता बनाए रखना चाहते हैं, तो उन्हें एकजुट होकर सच्चाई, ईमानदारी और कमिटमैंट के साथ एक नया फेयर इंटरनैशनल ऑर्डर बनाना चाहिए।

शंकराचार्य पद की दावेदारी पर सवाल

प्रयागराज में मौनी अमावस्या के दिन पालकी पर सवार होकर संगम तट तक जाने की प्रशासन से तकरार अविमुक्तेश्वरानंद को महंगी पड़ रही है? प्रशासन ने तो उन्हें शंकराचार्य मानने से ही इंकार कर दिया है और इस के आधार में सुप्रीम कोर्ट में लम्बित मामले का हवाला भी दिया है। लगता है कि ज्योतिष पीठ पर अविमुक्तेश्वरानंद की शंकराचार्य पदवी की दावेदारी का विवाद अब और मुखर हो गया है। आपको बता दें कि प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में मौनी अमावस्या के स्नान को लेकर ज्योतिष पीठ बद्रीनाथ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन आमने सामने आ गए थे। मेला प्रशासन ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को पालकी पर सवार होकर स्नान के लिए जाने से रोक दिया था। इसके बाद शंकराचार्य समर्थकों और पुलिस के बीच धक्का–मुक्की हो गई थी। इससे नाराज होकर शंकराचार्य ने ध ारना शुरू कर दिया। उनका ध ारना अभी भी जारी है। शंकराचार्य इस बात पर अड़े हैं कि प्रशासन माफी मांगे। उनका कहना है कि माफी के बिना वो अपने आश्रम में प्रवेश नहीं करेंगे। इस बीच एक कड़ा कदम उठाते हुए मेला प्रशासन ने 19 जनवरी को उन्हें एक नोटिस जारी किया। इसमें उनसे 24 घंटे में यह साबित करने को कहा गया था कि वो ही शंकराचार्य हैं। इस नोटिस में सुप्रीम कोर्ट में लंबित एक मामले

का जिक्र है।माघ मेला प्राधिकरण ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को भेजे नोटिस में पूछा है कि उन्होंने अपने नाम के आगे शंकराचार्य क्यों लगाया है? मेला प्राधिकरण के नोटिस में सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन एक मामले का उल्लेख है।

सरस्वती पुत्र महाकवि निराला

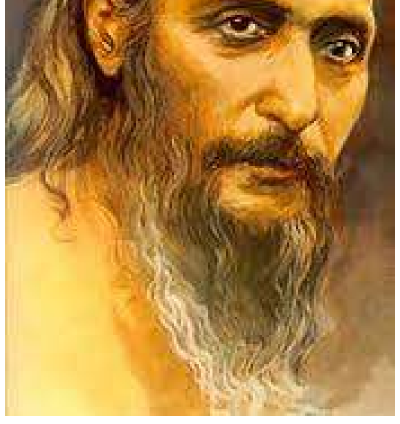

बसंत पंचमी हिन्दुओं का एक महान पर्व है। इस दिन माता सरस्वती का ब्रह्माजी के कमण्डल से जन्म हुआ और सृष्टि की नीरसता वीणा की ध्वनि से समाप्त हो गयी। इसीलिए माता सरस्वती को ज्ञान, वाणी और संगीत की देवी समझा जाता है। बसंत ऋतु में सबसे ज्यादा सुहाना मौसम होता है। इस दिन जन्म लेने वाले भी ज्ञान, वाणी और संगीत से समृद्ध रहते हैं। सरस्वती माता के हाथों में वीणा, पुस्तक और माला रहती है जो संगीत, ज्ञान और विद्या का प्रतीक है। सरस्वती का जन्म ब्रह्मा द्वारा सृष्टि को पूर्णता और ज्ञान प्रदान करने के लिए हुआ था, इसलिए उसका प्रभाव बसंत पंचमी में भी समाया हुआ है। माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी को बसंत पंचमी होती है और इसी दिन हिन्दी के अमर कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला; का जन्म हुआ था। निरालाजी ने भी मुक्त छंद का आविष्कार किया था। इसीलिए उनकी रचनाओं में आग है, पौरुष है और सड़ी–गली परम्पराओं के प्रति विद्रोह। निराला जी का जन्म पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर में 21 फरवरी 1899 को पंडित राम सहाय तिवारी और श्रीमती मनोहरा देवी के घर बसंत पंचमी के दिन हुआ था। ये दोनों मूलरूप से उत्तर प्रदेश के उन्नाव के गढ़ा कोला निवासी थे जहां आज भी निरालाजी की जयंती धूमधाम से बसंत पंचमी को मनायी जाती है। निराला जी ने अनामिका, परिमल, गीतिका, तुलसीदास, कुकुरमुत्ता, अणिमा, वेला, आराधना, राम की शक्ति पूजा जैसी कविताएं लिखीं। उपन्यास और अनुवाद भी उनके पठनीय हैं। निराला की एक कविता 'दान' मानवता के प्रति उनके लगाव और सड़ी–गली परम्पराओं के उपहास को चित्रित करती है। निराला के बचपन में उनका नाम सुर्जकुमार रखा गया। उनके पिता पंडित रामसहाय तिवारी उन्नाव (बैसवाड़ा) जिले गढ़ाकोला गाँव के रहने वाले थे। वह महिषादल में सिपाही की नौकरी करते थे। निराला की शिक्षा हाई स्कूल तक हुई। हिंदी, संस्कृत और बांग्ला भाषा और साहित्य का ज्ञान उन्होंने स्वाध्याय से अर्जित किया। उनका जीवन उनके ही शब्दों में कहें तो दुःख की कथा–सा है। तीन वर्ष की आयु में उनकी माँ का और बीस वर्ष के होते–होते उनके पिता का देहांत हो गया। बेहद अभावों में संयुक्त परिवार की जिम्मेदारी उठाते हुए निराला पर एक और आघात तब हुआ, जब पहले महायुद्ध के बाद फैली महामारी में उनकी पत्नी मनोहरा देवी का भी निधन हो गया। इस महामारी में उनके चाचा, भाई और भाभी का भी देहांत हो गया। इसके बाद की उनकी जीवन–स्थिति को उनकी काव्य–पंक्तियों से समझा जा सकता है रू "धन्ये, मैं पिता निरर्थक का, कुछ भी तेरे हित न कर सका! जाना तो अर्थागमोपाय,

पर रहा सदा संकुचित–काय

लख कर अनर्थ आर्थिक पथ पर हारता रहा मैं स्वार्थ–समर।"

ये पंक्तियाँ निराला की कालजयी कविता 'सरोज–स्मृति' से हैं। यह कविता उन्होंने मात्र उन्नीस वर्ष आयु में मृत्यु को प्राप्त हुई अपनी बेटी सरोज की स्मृति में लिखी।उनका कविता लेखन सामाजिक यथार्थ, मानवीय भावनाओं, प्रकृति और देशभक्ति से ओतप्रोत था। उन्होंने पारंपरिक छन्दबद्धता से हटकर नए मुक्त छन्द और भावमयी कविता लिखी, जिससे हिन्दी कविता को एक नया आयाम मिला। निराला की कविताएँ उनके जीवन की पीड़ा, उनके देश और समाज के प्रति उनका प्रेम एवं उनकी संवेदनशीलता को दर्शाती हैं।

निराला का व्यक्तित्व घनघोर सिद्धांतवादी और साहसी था। वह सतत संघर्ष–पथ के पथिक थे। यह रास्ता उन्हें विक्षिप्तता तक भी ले गया। उन्होंने जीवन और रचना अनेक संस्तरों पर जिया, इसका ही निष्कर्ष है कि उनका रचना–संसार इतनी विविधता और समृद्धता लिये हुए है। हिंदी साहित्य संसार में उनके आक्रोश और विद्रोह, उनकी करुणा और प्रतिबद्धता की कई मिसालें और कहानियाँ प्रचलित हैं। उनके जीवन का उत्तरार्द्ध इलाहाबाद में बीता। वहीं दारागंज नाम के मुहल्ले में 15 अक्टूबर 1961 को उनका देहावसान हुआ।

'अनामिका' (1923), 'परिमल' (1930), 'गीतिका' (1936), 'तुलसीदास' (1939), 'कुकुरमुत्ता' (1942), 'अणिमा' (1943), 'बेला' (1946), 'नए पत्ते' (1946), 'अर्चना' (1950), 'आराधना' (1953), 'गीत कुंज' (1954), 'सांध्य काकली' और 'अपरा' निराला की प्रमुख काव्य–कृतियाँ हैं।

'लिली', 'सखी', 'सुकुल की बीवी' उनके प्रमुख कहानी–संग्रह और 'कुल्ली भाट', 'बिल्लेसुर बकरिहा' उनके चर्चित उपन्यास हैं। 'चाबुक' शीर्षक से उनके निबंध ों की एक पुस्तक भी प्रसिद्ध है।

वर्ष 1976 में सूर्यकांत त्रिपाठी निराला पर भारत सरकार द्वारा डाक टिकट जारी किया जा चुका है। (हिफी)

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

अपना देश महान है, अमर रहे गणतंत्र।
मूलभूत कानून का, यही एक है मंत्र।
यही एक है मंत्र, दिखे बस भाई चारा।
धर्म जाति सम्मान, प्रेम का बने पिटारा।।
कहती रचना आज, सभी का स्वर्णिम सपना।
विश्व बंधुता संग, बढ़े यह भारत अपना।।

सबसे ऊँचा ध्वज हो, जग में हो सम्मान।
अमर रहे गणतंत्र यह, बने विश्व पहचान।
बने विश्व पहचान, तिरंगा अपना प्यारा।
गूँजे जय जयकार, विश्व मे सबसे न्यारा।।
कहती रचना आज, मिली आजादी जब से।
चाल रही नित तेज, बढ़ा नित आगे सबसे।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

सालगिरह पर रिद्धिमा ने शेयर किया 20 साल पुराना वीडियो, बेटी को वेन्यू तक ले जाते ऋषि कपूर की झलक देख भावुक हुए फैंस

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर आज 25 जनवरी को अपने पति भरत साहनी संग शादी की 20वीं सालगिरह मना रही हैं। इस खास मौके को और भी भावुक बनाते हुए रिद्धिमा कपूर ने अपनी शादी का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसने फैंस और कपूर परिवार के चाहने वालों की आंखें नम कर दी हैं। रिद्धिमा द्वारा शेयर किए गए इस वीडियो क्लिप में उनके दिवंगत पिता ऋषि कपूर की झलक दिखाई देती है। वीडियो में देखा जा सकता है कि वरमाला की रस्म के दौरान ऋषि कपूर अपनी बेटी के साथ मंच पर मौजूद हैं, जबकि वह अपने दामाद भरत साहनी का हाथ थामकर उन्हें वेन्यू तक लेकर आते नजर आते हैं। इसके अलावा, रणबीर कपूर भी वीडियो में दिखाई देते हैं, जो फूलों की चादर थामे हुए अपनी बहन रिद्धिमा का हाथ पकड़कर उन्हें स्टेज तक लेकर जाते हैं। वीडियो में कपूर परिवार के कई अन्य सदस्यों की भी झलक देखने को मिलती है, जिसने इस पल को और भी खास बना दिया है। इस वीडियो के साथ रिद्धिमा कपूर ने कैप्शन में लिखा–20 साल पहले, मेरे माता–पिता ने मेरा हाथ थामा और अपने प्यार, आशीर्वाद और दुआओं के साथ मुझे एक नई जिंदगी में भेजा। आज मेरे पास जो कुछ भी है, वह उन्हीं की वजह से है। और, भरत तुममें मुझे एक ऐसा पार्टनर मिला, जो हमेशा मेरे साथ खड़ा रहा। मेरा हाथ, मेरा दिल और हमारी जिंदगी एक साथ थामे हुए। हमारी यात्रा को इतना यादगार बनाने और हमारे घर को प्यार से भरने के लिए शुक्रिया। इतने वर्षों बाद भी, हमने जो जिंदगी एक साथ बनाई है, वह आज भी मेरे चेहरे पर वही मुस्कान लाती है। 20 साल का प्यार, तरक्की और साथ। आज भी हर दिन तुम्हें ही चुनती हूं। हमें सालगिरह मुबारक। जैसे ही यह वीडियो सामने आया, सोशल मीडिया पर यूजर्स भावुक हो गए। खासतौर पर ऋषि कपूर की मौजूदगी ने लोगों को भावनाओं से भर दिया। फैंस ने कमेंट्स में लिखा कि पिता–बेटी का यह रिश्ता बेहद खास था और ऐसे पलों को देखना दिल को छू जाता है। रिद्धिमा के अलावा भरत साहनी ने भी अपनी शादी की सालगिरह पर एक खास पोस्ट शेयर किया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा कि कुछ लोग कहते हैं कि रिद्धिमा उन्हें 20 सालों से झेल रही हैं, तो कुछ लोग इसका उल्टा मानते हैं। उन्होंने लिखा–कुछ लोग कहते हैं कि यह रिद्धिमा 20 वर्षों से मुझे झेल रही है। कुछ लोग कहेंगे कि इसका उल्टा हुआ है। चाहे जो भी हो, हम दोनों ने मिलकर जितने भी उतार–चढ़ाव देखे हैं, जिंदगी ने हमें जो भी दिया है, उसके लिए हम तालियों के हकदार हैं। हमारी जब शादी हुई, तब हम असल में बच्चे थे। बिना किसी रियल लाइफ स्किल्स के और अनलिमिटेड कॉन्फिडेंस के साथ। वह दिल्ली चली आई, किसी को नहीं जानती थी और उसे मेरी पत्नी के नाम से जाना जाता था। 20 साल बाद, अब मैं कहीं जाता हूं तो लोग कहते हैं, ओह... तुम रिद्धिमा के पति होश। वैसे, यह मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा अपग्रेड है। तुम पर गर्व है रिद्धिमा। हमने जो जिंदगी बनाई है, उसके लिए शुक्रगुजार हूं और हमारी मास्टरपीस समारा के लिए हमेशा शुक्रगुजार हूं। शादी की 20वीं सालगिरह मुबारक हो। अभी भी तुम्हारे लिए पागल हूं। कपल के इन पोस्ट्स पर कपूर परिवार और बॉलीवुड से जुड़े कई सितारों ने उन्हें बधाइयां दीं। करीना कपूर खान, मनीष मल्होत्रा, नीतू कपूर समेत कई सेलेब्स ने रिद्धिमा और भरत को उनकी 20वीं वेडिंग एनिवर्सरी पर शुभकामनाएं दीं।

माही विज ने पूरा किया अपनी नन्हीं जान का बड़ा सपना, आंखों के तारे के लिए खरीदी 50 लाख की मिनी कूपर

टीवी एक्ट्रेस माही विज पति व एक्टर जय भानुशाली से तलाक के बाद टूटकर घर नहीं बैठीं, बल्कि और मजबूत होकर दुनिया के सामने आई हैं। लोगों ने जय संग 15 साल की शादी टूटने के बाद माही को तोड़ने की खूब कोशिश की और उन्हें लेकर कई तरह की फालतू बातें की, लेकिन एक्ट्रेस ने लोगों की हर बात का जवाब हर नई अचीवमेंट से दिया। तलाक के बाद माही ने पहले अपने लिए एक कार खरीदी, फिर नए अपार्टमेंट की झलक फैंस के साथ शेयर की और अब उन्होंने अपनी लाडली बेटी तारा को एक लग्जरी गिफ्ट दिया है, जिसके बाद फिर से उन्हें ट्रोल करने वालों की आंखें खुली और मुंह बंद रह गए हैं। माही विज ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया है कि एक वक्त पर उनकी बेटी ने उनसे एक खास गिफ्ट की डिमांड की थी, जिसे अब वो पूरा कर रही हैं। दरअसल, माही ने अपनी बेटी तारा के लिए मिनी कूपर खरीदी है, जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपए बताई जा रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा, जब मेरी बेटी सिर्फ चार साल की थी, उसने एक मिनी कूपर देखकर कहा था, मम्मा, मुझे एक दिन ये कार चाहिए। उस वक्त न तो मैं इसे खरीद सकती थी और न ही मुझे लगता था कि बच्चे को ऐसी चीज देना जरूरी है। लेकिन सपनों की कोई उम्र की सीमा नहीं होती। इच्छाओं पर कोई प्राइस टैग नहीं लगा होता। माही ने आगे लिखा कि आज, मैं इसे खरीद सकती हूं। और मुझे एक बात समझ में आई–यह लग्जरी के बारे में बिल्कुल नहीं है। यह उसकी इच्छा के बारे में है। यह एक ऐसी याद के बारे में है जिसे वह हमेशा अपने दिल में रखेगी। यह एक माँ के अपनी बेटी से यह कहने के बारे में है, तुम्हारे सपने मायने रखते हैं। और अगर मैं कर सकती हूँ, तो मैं उन्हें सच करूँगी। एक्ट्रेस ने कहा– तो मैं यहाँ हूँ, अपनी छोटी बेटी को उसकी पसंदीदा कार दे रही हूंकुउसे बिगाड़ने के लिए नहीं, बल्कि उसे एक पल, एक कहानी, एक याद देने के लिए जिसे वह पूरी जिंदगी याद रखेगी। हमारी साथ में छोटी–छोटी ड्राइव, हमारी हँसी, हमारा समयकृयह अनमोल है।

खास बात यह है कि माही के साथ उनके एक्स पति जय भानुशाली भी उनकी इस खुशी में शामिल हैं। उन्होंने पोस्ट पर कमेंट करते हुए इस कार के लिए उन्हें बधाई दी है।

वो मुझसे भी ज्यादा नर्वस थे..दिव्या दत्ता को याद आया इरफान खान संग इंटीमेट सीन, बताया–शूट से पहले छत पर छिप गए थे

एक्ट्रेस दिव्या दत्ता फिल्म इंडस्ट्री की एक जानी मानी एक्ट्रेस हैं, जो न सिर्फ अपने काम बल्कि कई वजहों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। वहीं, हाल ही में दिव्या दत्त एक इंटरव्यू में दिवंगत एक्टर इरफान खान के साथ 2010 की फिल्म 'हिस्स' की शूटिंग का एक किस्सा याद करती नजर आईं। एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे उन्हें फिल्म में एक इंटमेट सीन की शूटिंग के दौरान इमरान उनसे भी ज्यादा असहज महसूस कर रहे थे। हाल ही में इंटरव्यू में दिव्या दत्ता ने बताया कि उस समय इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर सेट पर मौजूद नहीं था। उनके को–स्टार इरफान इस सीन को लेकर उनसे ज्यादा नर्वस थे और शूट से पहले छत पर छिपे हुए थे। हालांकि, दोस्त होने की वजह से शूट करना काफी आसान हो गया था। दिव्या दत्ता ने बताया कि मैं इंटीमेट सीन को लेकर बहुत नर्वस थी, लेकिन यह सीन बहुत खूबसूरत था। सीन में एक बिना बच्चे वाले कपल को दिखाया गया था, जो रो रहे हैं और प्यार कर रहे हैं। यह सच में एक भावनात्मक और खूबसूरत सीन था। हमारी डायरेक्टर जेनिफर लिंच थीं, जो डेविड लिंच की बेटी हैं। सेट पर आधे लोग बाहर से आए थे और आधे हमारे अपने लोग थे। एक्ट्रेस ने बताया कि सेट पर हर कोई उम्मीद कर रहा था कि सीन अच्छा निकले। वह सोच रही थीं, मैं क्या करूं? क्या करूं? क्योंकि उस समय इंटिमेसी डायरेक्टर नहीं होते थे। उन्होंने याद किया कि इरफान कहां हैं, यह जानने पर पता चला कि वह छत पर छिपे हुए थे, और उनसे भी ज्यादा नर्वस थे। मैंने पूछा, सुनिए इरफान कहां हैं? डायरेक्टर ने कहा, 'वो छत पर बैठे हैं, तुमसे भी ज्यादा नर्वस हैं।' एक्ट्रेस ने कहा, श्आपको देखना होता है कि आपका को–स्टार आराम से है। उस समय आपकी दोस्ती बहुत काम आती है।बता दें, दिव्या दत्ता और इरफान खान 'दुबई रिटर्न' (2005), 'हिस्स' (2010) और 'ब्लैकमेल' (2018) जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं।

1971 के युद्ध में शहीद हुए निर्मलजीत सिंह सेखों के परिवार से मिले बॉर्डर 2 एक्टर सनी देओल, शेयर की तस्वीर

एक्टर सनी देओल इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म 23 जनवरी को पर्दे पर रिलीज हुई है, जिसमें वह दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी और वरुण धवन जैसे स्टार्स के साथ नजर आए हैं। यह फिल्म साल 1971 के भारत–पाक युद्ध पर आधारित है। ऐसे में हाल ही में सनी देओल ने 1971 के युद्ध में शहीद हुए निर्मलजीत सिंह सेखों के परिवार से मुलाकात की, जिसकी तस्वीर उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर की है। सनी देओल ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह निर्मलजीत सिंह के परिवार के सदस्य के साथ नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा–हमारे हीरो परमवीर चक्र फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों के परिवार से मिलना मेरे लिए खुशी की बात थी। फिल्म बॉर्डर 2 में इनका रोल दिलजीत दोसांझ कर रहे हैं, जिनकी बेमिसाल बहादुरी की सच्ची कहानी आप फिल्म में देखेंगे।

उनके परिवार से मिलना बहुत अच्छा और यादगार था। सनी देओल ने आगे लिखा है, फिल्म बॉर्डर 2 उन सभी सैनिकों और उनके परिवारों को सलाम है, जो चुपचाप हिम्मत से अपनी विरासत को आगे बढ़ाते हैं। बता दें, निर्मलजीत सिंह सेखों ने 1971 के युद्ध में श्रीनगर एयरफील्ड पर पाकिस्तानी जेट हमलों का अकेले मुकाबला किया था। उन्होंने पाकिस्तान के छह फाइटर जेट खदेड़कर भारत माता की सुरक्षा की थी और महज 26 वर्ष की आयु में देश के लिए शहीद हो गए थे। मरणोपरांत उन्हें सर्वोच्च सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। फिल्म में दिलजीत दोसांझ शहीद निर्मलजीत का किरदार निभाते नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि फिल्म बॉर्डर 2 साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म श्बॉर्डरश का सीक्वल है। 23 जनवरी को रिलीज हुई इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर 30 करोड़ रुपये कमाए और दूसरे दिन 36.5 करोड़ का कारोबार किया।

नहीं रहे फेमस म्यूजिक डायरेक्टर और कंपोजर अभिजीत मजूमदार, कई महीनों से थे बीमार

मनोरंजन जगत से हाल ही में एक दिल तोड़ देने वाली खबर सामने आ रही है। मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर और कंपोजर अभिजीत मजूमदार अब इस दुनिया में नहीं रहे। काफी महीनों से बीमार अभिजीद जिंदगी की जंग हार गए और 25 जनवरी को इस दुनिया को अलविदा कह गए हैं। 54 साल की उम्र में कंपोजर के निधन की खबर से म्यूजिक इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है और उनके फैंस भी काफी भावुक नजर आ रहे हैं। अभिजीत मजूमदार कई महीनों से बीमार थे और उनका एम्स भुवनेश्वर में इलाज चल रहा था, लेकिन लंबे इलाज के बाद भी वो बच नहीं पाए और आज रविवार को इस दुनिया को अलविदा कह गए। अभिजीत मजूमदार की 27 अगस्त, 2025 को अचानक तबीयत बिगड़ी थी। पहले उन्हें कटक के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां जांच में उनके सोडियम लेवल में भारी गिरावट पाई गई। हालत गंभीर होने पर 31 अगस्त को उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया था। इसके बाद ज्यादा सीरियस होने पर उन्हें 4 सितम्बर को एम्स भुवनेश्वर के इमरजेंसी वार्ड लाया गया। उस समय वे कोमा जैसी स्थिति में थे। उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया और फिर वेंटिलेटर पर शिफ्ट किया गया। एम्स के अधिकारियों ने पुष्टि की कि उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। कई विभागों की एक मेडिकल टीम उनकी देखभाल में लगी हुई थी। 21 सितंबर 2025 को उन्हें वेंटिलेटर से हटा दिया गया था, मगर उनका सेंट्रल नर्वस सिस्टम अभी भी गंभीर हालत में था। इसके चलते उन्हें आईसीयू में ही रखा गया। सितंबर के आखिर में जब थोड़ा सुधार दिखा तो अभिजीत को आईसीयू से बाहर शिफ्ट किया गया था। मगर, उनका इलाज एम्स में जारी रहा। इसके बाद अक्तूबर में अभिजीत की सेहत में फिर ढीली हो गई और उन्हें एम्स में आईसीयू केयर में वापस भेज दिया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें वेंटिलेटर से हटाया जा रहा था, मगर वे कोमा में थे। उनकी सेहत को लेकर चिंताएं और बढ़ने लगीं। नवंबर में अभिजीत को लेकर खबरें आईं कि उन्हें स्वास्थ्य सुधार हो रहा है। 31 दिसंबर 2025 को भी बताया गया कि उनकी सेहत में और सुधार हुआ है और वो जल्द ही एम्स से डिस्चार्ज हो सकते हैं, लेकिन वो पूरी तरह ठीक नहीं हो पाए और 25 जनवरी को उन्होंने जिंदगी की आखिरी सांस ली और सबको हमेशा के लिए अलविदा कह गए। अभिजीत मजूमदार ने अपने तीन दशकों के करियर में 700 से अधिक गाने कंपोज किए थे। उन्होंने न केवल फिल्मों में बल्कि म्यूजिक एलबम्स में भी कई सुपरहिट धुनें दीं। उनका 'लव स्टोरी', 'सिस्टर श्रीदेवी', 'गोलमाल लव', 'सुंदरगढ़ रा सलमान खान' और 'श्रीमान सूरदास' जैसी फिल्मों का संगीत आज भी लोगों को काफी पसंद आता है।

घर में रहेगा सुख-समृद्धि का वास, मुख्य द्वार पर लगाएं ये चीजें

कई बार सारा दिन मेहनत करने के बाद भी इच्छाअनुसार, फल नहीं मिल पाता। इसका कारण घर में मौजूद वास्तु दोष हो सकता है। वास्तु शास्त्र में घर का वास्तु दोष दूर करने के कई उपाय बताए गए हैं जिनका घर में इस्तेमाल करने से सुख–समृद्धि का वास होता है। घर के मुख्य द्वार पर इन चीजों को लगाने से नेगेटिव एनर्जी और घर का वास्तु दोष दूर होता है। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

गणेश की प्रतिमा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, आप मुख्य दरवाजे के अंदर और बाहर की ओर गणेश जी की प्रतिमाएं लगाएं। प्रतिमाएं इस तरह लगाएं जिसमें दोनों मूर्कियों की पीठ एक–दूसरी से जुड़ी रहे। इससे घर परिवार की सारी बाधाएं और दुख–तकलीफ दूर होती है।

मां लक्ष्मी के चरण

मान्यताओं के अनुसार, मां लक्ष्मी के चरण आप घर के अंदर आने की ओर लगा सकते हैं। इससे आपको शुभ संकेत मिलते हैं। मां लक्ष्मी के चरण सुख–समृद्धि का प्रतीक माने जाते हैं। इसके अलावा आप आटे की रंगोली भी घर में लगा सकते हैं। यह भी घर में पॉजिटिज चिन्ह का संकेत देते हैं।

तोरण

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के मुख्य तोरण लगाना बहुत ही शुभ माना जाता है। आप आम, पीपल या अशोक के पत्तों का तोरण घर में लगा सकते हैं। इससे घर में नेगेटिव एनर्जी घर में प्रवेश नहीं करती और घर में खुशहाली का माहौल रहता है।

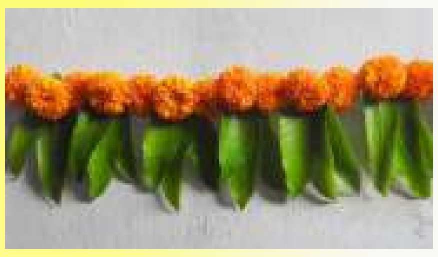

घोड़े की नाल

घर के बाहर घोड़े की नाल लगाना भी बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, घोडेध् की नाल लगाने से पहले एक रात इसे सरसों के तेल में डूबोकर रखें। फिर शनिवार के दिन आप इसे घर के बाहर लगा सकते हैं। इससे घर की सारी परेशानियां दूर होती है।

लाल रंग का स्वास्तिक

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर लाल रंग का स्वास्तिक बनाना बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, स्वास्तिक घर के बाहर रखने से धन–दौलत बढ़ती है और घर में सुख–समृद्धि आती है।

वजन घटाने से लेकर बेहतर नींद तक के लिए कारगर है केले की चाय

केले हमारे स्वास्थय के लिए कितना ज्यादा पौष्टिक है यह बात तो आप जानते ही होगें। केले का हम कई तरीके से सेवन करते हैं। क्या आपने कभी केले से बनी चाय पी है। अगर नहीं तो बता दें कि केले से बनी चाय में काफी फायदे होते हैं। यह आपके पाचन से लेकर नींद तक लिए काफी फायदे होते हैं। यह आपके पाचन से लेकर नींद तक के लिए काफी कारगर साबित हो सकता है। ऐसे में आपको केले के चाय का सेवन प्रतिदिन करना ही चाहिए। ऐसा हम नहीं बल्कि हेल्थ एक्टर्पट्स का कहना है। आइए जीनते हैं केले के चाय के फायदे...

केले की चाय के बारे में जानें

केले की चाय में मैग्नीशियम, मैंगनीज, तांबा, पोटेशियम और विटामिन बी16 जैसे तत्व होते हैं। यह पाचन, हृदय स्वास्थ्य के

लिए काफी लाभदायक है। अगर आपको शुगर की दिक्कत है तो आपके लिए यह चाय काफी लाभदायक साबित हो सकता है। इस चाय में आपको चीनी मिलाने की भी जरूरत नहीं होती है। ऐसे में यह चाय काफी हेल्दी हो जाती हैं।

कैसे बनाते है केले की चाय

बता दें कि केले की चाय बनाना काफी ज्यादा आसान है। आप इसे आसानी से घर पर बना सकती हैं। एक केले को गर्म पानी में उबालें और बचे हुए तरल को दूध में मिलाकर या फिर चाय के साथ मिलाकर पिएं। कई लोग केले के छिलके की भी चाय बनाते हैं।

केले की चाय के फायदे

1. केले की चाय वजन घटाने में सहायक होती है। ऐसे में आप चाहें तो केले की चाय वजन घटाने के लिए भी पी सकती हैं।

2. केले की चाय पीने के हड्डियां मजबूत होती हैं। ऐसे में ये बूढ़े लोगों के लिए काफी अच्छी साबित हो सकती है।

3.अगर आपको भी सोने में दिक्कत होती है तो केले की चाय आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती है।

4. वहीं अगर आपको खाना पचाने में दिक्कत होती है तो आपको इस चाय का सेवन जरुर करना चाहिए।

5. आंखों के लिए केले की चाय काफी फायदेमंद होती है। अगर आपकी भी आंखें कमजोर हैं तो आपको इस चाय का सेवन जरुर करना चाहिए।

थायराइड के मरीजों का ऐसा होना चाहिए डाइट प्लान, भूलकर भी न खाएं ये चीजें

गलत–खानपान, खराब लाइफस्टाइल के कारण कई तरह के रोगों का खतरा बढ़ रहा है जिसमें से डायबिटीज, थायराइड, गठिया जैसे रोग मुख्य रुप से हर किसी को प्रभावित कर रहे हैं। थायराइड के कारण मरीजों को कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। थायराइड ग्लैंड गर्दन के पिछले हिस्से में मौजूद होता है जो शरीर के मेटाबॉल्जिम को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। लेकिन थायराइड क्यों होता है इसके कारण, मुख्य लक्षण और मरीजों का कैसा डाइट प्लान होना चाहिए आज आपको इसके बारे में बताएंगे। आइए जानते हैं थायराइड के मुख्य कारण....

थायराइड दो तरह की होता है जिसमें से एक है हाइपोथायरायिज्म और दूसरा है हाइपरथायरायडिज्म। हाइपोथायरायडिज्म को अंडरएक्टिव थायराइड भी कहते हैं यह व्यक्ति को तब होता है जब थायराइड हार्मोन की अपर्याप्त मात्रा होती है। इस थायराइड के कारण मरीज पतले होने लगते हैं। वहीं हाइपरथायरायडिज्म वह होता है जिसके कारण शरीर में हार्मोन्स का ज्यादा मात्रा में निर्माण होने लगता है। इसके अलावा भोजन में आयरन की कमी होने पर भी गॉइटर जैसी समस्या होने लगती है।

लक्षण

कब्ज

थकावट

तनाव

रुखी त्वचा

वजन बढ़ना या कम होना

हृदय गति का म होना

हाई ब्लड प्रेशर

बाल झड़ना

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को होता है थायराइड

थायराइड की समस्या पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में ज्यादा होती है। खासकर महिलाओं में यह बीमारी शुरुआती 30 साल की उम्र में शुरु हो जाती है। परंतु इसके कुछ सामान्य लक्षण 50 की उम्र के बाद ही दिखते हैं।

थायराइड में क्या खाना चाहिए?

अलसी के बीज

थायराइड के मरीजों के लिए अलसी के बीज बहुत ही फायदेमंद माने जाते हैं। इनमें पाया जाने वाला ओमेगा–3 फैटी एशिड हाइपोथायरायडिज्म को कम करने में मदद करता है।

ब्राजील नट्स

एक्सपर्ट्स के अनुसार, ब्राजील नट्स मे सेलेनियम काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में थायराइड के मरीज ब्राजील नट्स को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

अंडा

अंडा आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसमें भी सेलेनियम पाया जाता है जो थायराइड मरीजों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

साबुत अनाज

साबुत अनाज का सेवन करके आप थायराइड जैसे रोग से छुटकारा पा सकते हैं। इसमें जिंक की मात्रा काफी अच्छी पाई जाती है। सिंपल राइस के अलावा आप ब्राउन राइस अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

दही

दही का सेवन आप थायराइड की समस्या से राहत पाने के लिए कर सकते हैं। इसमें पाया जाने वाला आयोडीन समस्या से छुटकारा दिलवाने में मदद करता है।

समुद्री मछली

समुद्री जीवों में आयोडीन काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में आप समुद्री शैवाल, समुद्र की सब्जियां और मछलियां आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन आप थायराइड की समस्या से राहत पाने के लिए कर सकते हैं। इनमें आयरन काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है।

ड्राई फ्रूट्स और सूरजमुखी के बीज

काजू, बादाम और सूरजमुखी के बीच आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसमें कॉपर काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। नियमित इन चीजों का सेवन करने से आप थायराइड की समस्या से राहत पा सकते हैं।

गाय का दूध और नारियल तेल

गाय का दूध और नारियल तेल आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। नारियल तेल थायराइड के मरीजों की कार्यप्रणाली सुधारने में मदद करता है।

न खाएं ये चीजें

सोयाबीन

सोयाबीन और सोया युक्त पदार्थों का सेवन न करें। इससे हाइपोथायरायडिज्म का खतरा बढ़ सकता है। सोयाबीन में फाइटोएस्ट्रोजन पाया जाता है जो थायराइड हार्मोन का निर्माण करने वाले एंजाइम के कार्य करने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है।

फूलगोभी–ब्रोकली

कच्चा या आधीपकी हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से भी थायराइड का खतरा बढ़ सकता है। ब्रोकली, पालक, फूलगोभी में एंटीथायराइड और गोइट्रोजेनिक तत्व पाए जाते हैं जो थायराइड मरीजों के लिए हानिकारक होते हैं। इसके अलावा क्रुसिफेरस सब्जियां भी थायराइड रोगियों के लिए हानिकारक हो सकती हैं।

कैफीन युक्त पदार्थ

थायराइड की समस्या होने पर आप कैफीन वाली चीजों से परहेज करें। इनके कारण थायराइड ग्लैंड बढ़ सकता है।

ग्लूटेन फूड

हाइपोथायरायडिज्म के मरीजो को ग्लूटेन का सेवन भी कम करना चाहिए। ग्लूटेन एक तरह का प्रोटीन होता है जो गेंहू, राई, जौ और अन्य अनाजों में पाया जाता है। ऐसे में इन फूड्स का सेवन करने से थायराइड का जोखिम बढ़ सकता है।

प्रोसेस्ड फूड्स

प्रोसेस्ड या फिर जंक फूड्स का सेवन भी थायराइड के रोगियों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। सोडियम की कमी होने के कारण हाइपोथायरायडिज्म और थायराइड दोनों मरीजों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

मीठे पदार्थ

मीठे पदार्थों का सेवन भी थायराइड के रोगियों को नहीं करना चाहिए। इससे आपकी पाचन क्रिया प्रभावित हो सकती है जिसके कारण आपका वजन बढ़ सकता है।

दूध की शक्ति को कई गुना बढ़ा देते हैं दालचीनी और शहद, ये बीमारियां हो जाएंगी फुर्र

दूध पोषक तत्वों से भरपूर होता है और यह हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद भी होता है। हेल्थ एक्पर्टस अच्छी फिटनेस के लिए सभी लोगों को दूध पीने की सलाह देते हैं। हमारे दांतों और हड्डियों की सेहत के लिए दूध बहुत जरुरी होता है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन्स जैसे तत्व पाए जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर दूध में शहद और दालचीनी जैसे तत्वों को मिलाया जाए तो इससे इसकी ताकत कई गुना बढ़ जाती है और ये मिश्रण हमारे शरीर को कई तरह की बीमारियों से भी बचाता है। शहद में विटामिन और मिनरल्स के साथ–साथ एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी क्वालिटी, पोटैशियम और फास्फोरस भरपूर मात्रा में पाया जाता है। आइए जानते हैं कि अगर दूध में शहद और दालचीनी को मिलाकर पिया जाए तो इससे क्या–क्या फायदे मिलते हैं।

इम्यूनिटी होती है मजबूत : सर्दियों के मैसम में बीमारियां और संक्रमण होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इससे बचने के लिए इम्यूनिटी मजबूत होना बहुत ज्यादा जरुरी है। अगर आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है तो आपको दूध में दालचीनी और शहद को मिक्स करके पीना चाहिए। इसके एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण शरीर की संक्रमण से रक्षा करते हैं।

पाचन को बनाए बेहतर : दूध के साथ दालचीनी और शहद मिलाकर पीने से पाचन शक्ति भी बेहतर होती है। जिन लोगों का ठीक से पेट साफ नहीं होता या फिर खाना नहीं पचता, उन्हें इसका सेवन करना चाहिए। शहद और दालतीनी, गैस और एसिडिटी से राहत देते हैं।

कोलेस्ट्रॉल को कम करता है : मौजूदा समय में कोलेस्ट्रॉल के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कोलेस्ट्रॉल की समस्या तब होती है जब हमारे खून की नसों में फैट जमने लगता है और अगर इसकी मात्रा ज्यादा हो जाए तो इससे हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए कोलेस्ट्रॉल की बीमारी स्वास्थय के लिए घातक होती है। दालचीनी और शहद कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करता है।

जोड़ों के दर्द में राहत : दूध, दालचीनी और शहद का मिश्रण उन लोगों के लिए भी रामबाण है जो लोग जोड़ों के दर्द से पीड़ित है। दूध ा के साथ दालचीनी और शहद पीने से हड्डियों को मजबूती मिलती है। दूध में कैल्शियम उच्च मात्रा में पाया जाता है जबकि शहद में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण इसकी ताकत को कई गुना बढ़ा देते हैं।

संजू सैमसन को मिलेगा मौका या श्रेयस होंगे प्लेइंग–11 का हिस्सा?

विशाखापत्तनम। भारतीय टीम के बल्लेबाज शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। लेकिन संजू सैमसन की फॉर्म ने टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ाई हुई है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच अब बुधवार को चौथा टी20 मैच खेला जाएगा। इसमें देखना दिलचस्प होगा कि भारत इस मैच के लिए सैमसन पर भरोसा कायम रख पाता है या नहीं। भारतीय टीम भले ही न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3–0 की अजेय बढ़त ले चुकी है, लेकिन टी20 विश्व कप से पहले उसके पास तैयारियां परखने के लिए दो ही मैच शेष हैं। भारत के लिए सबसे ज्यादा चिंता की बात संजू सैमसन की खराब फॉर्म है जो शुरुआती तीन मैचों में बड़ी पारी नहीं खेल सके हैं और जल्दी अपना विकेट गंवा रहे हैं। सैमसन को अगर विश्व कप के लिए एकादश में अपना दावा पुख्ता करना है तो उन्हें हर हाल में रन बनाने होंगे। तिलक की अनुपस्थिति से किस तरह हुआ सैमसन को फायदा? भारत के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में तिलक वर्मा उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि पेट की सर्जरी के बाद वह अब तक मैदान पर वापसी नहीं कर सके हैं। तिलक को पहले शुरुआती तीन मैचों से बाहर रखा गया था और फिर बीसीसीआई ने बताया दिया कि वह शेष दो मुकाबलों के लिए भी उपलब्ध नहीं रहेंगे। तिलक की जगह श्रेयस अय्यर टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं, लेकिन उन्हें अब तक प्लेइंग–11 में मौका नहीं मिला है। भारत के लिए सैमसन और अभिषेक शर्मा पारी का आगाज करने उतर रहे हैं, जबकि तीसरे नंबर पर ईशान किशन आ रहे हैं। वहीं, चौथे नंबर पर कप्तान सूर्यकुमार यादव उतर रहे हैं। सैमसन फॉर्म में नहीं हैं, जबकि ईशान ने बड़ी पारियां खेलकर एकादश के लिए दावा मजबूत किया है। तिलक जब टीम में आएंगे तो भारत के सामने ईशान को प्लेइंग–11 में फिट करने की चुनौती होगी। अगर सैमसन को मौका मिलता है और वह इन दो मैचों में भी बड़ी पारी नहीं खेल सके तो टीम प्रबंधन विश्व कप में उनकी जगह ईशान को ओपनिंग के लिए भेज सकता है और इस स्थिति में तिलक तीसरे नंबर पर खेल सकते हैं। तिलक के शेष दो मैचों में अनुपलब्ध रहने से सैमसन को खुद को साबित करने का एक और मौका मिला है। बेहतरीन फॉर्म में है भारत इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों ने धमाकेदार प्रदर्शन किया है। तीसरे मैच में तो भारत ने केवल 10 ओवर में ही जीत हासिल कर ली थी।

टी20 विश्व कप से पहले सैमसन ने बढ़ाई टीम प्रबंधन की चिंता

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप की शुरुआत होने में अब कुछ ही दिन का समय शेष रह गया है, लेकिन संजू सैमसन का खराब प्रदर्शन भारतीय टीम प्रबंधन के लिए लगातार चिंता का विषय बनता जा रहा है। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म में चल रहे हैं

और न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले तीन मुकाबले में भी वह प्रभावित नहीं कर सके हैं। सैमसन अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए भाकत का संयोजन लगभग तय है, लेकिन कुछ स्थानों के लिए माथापच्ची अब भी जारी है। सैमसन का कटेगा पत्ता? अभी तक यह तय लग रहा था कि अभिषेक शर्मा के साथ सैमसन ही विश्व कप में पारी का आगाज करने उतरेंगे, लेकिन जिस तरह से वह खराब फॉर्म में चल रहे हैं और ईशान किशन दमदार लय में दिख रहे हैं, उससे इस बात की संभावना दिख रही है कि भारतीय बल्लेबाजी क्रम में बदलाव हो सकता है। तिलक वर्मा के चोटिल होने के कारण ईशान किशन तीसरे नंबर पर उतर रहे हैं, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आ रहे हैं।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने जीता तीसरा खिताब, काव्या मारन का रिएक्शन हुआ वायरल

नई दिल्ली। सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने एसए20 के फाइनल में प्रिटोरिया कैपिटल्स को हराकर चार साल में तीसरा खिताब जीता। ट्रिस्टन स्टब्स और मैथ्यू ब्रीत्जके की शानदार साझेदारी के बाद जीत का जश्न मनाती काव्या मारन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। एसए20 2025–26 सीजन का समापन रविवार को केपटाउन में हुआ, जहां सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने प्रिटोरिया कैपिटल्स को हराकर खिताब अपने नाम किया। यह ईस्टर्न केप का चार साल में तीसरा एसए20 खिताब है, जिससे उसने टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम होने की अपनी पहचान और मजबूत कर ली। काव्या मारन का रिएक्शन हुआ वायरल 159 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स की शुरुआत लड़खड़ाई और टीम 8.4 ओवर में 48ध्4 के स्कोर पर सिमट गई थी। इसके बाद ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 63) और मैथ्यू ब्रीत्जके (नाबाद 68) ने मोर्चा संभाला। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए नाबाद 114 रनों की साझेदारी कर टीम को चार गेंद शेष रहते छह विकेट से जीत दिला दी। आखिरी ओवर में जीत के लिए नौ रन चाहिए थे। स्टब्स ने ब्राइस पार्सन्स की गेंदों पर दो बड़े छक्के जड़कर मुकाबला खत्म किया।

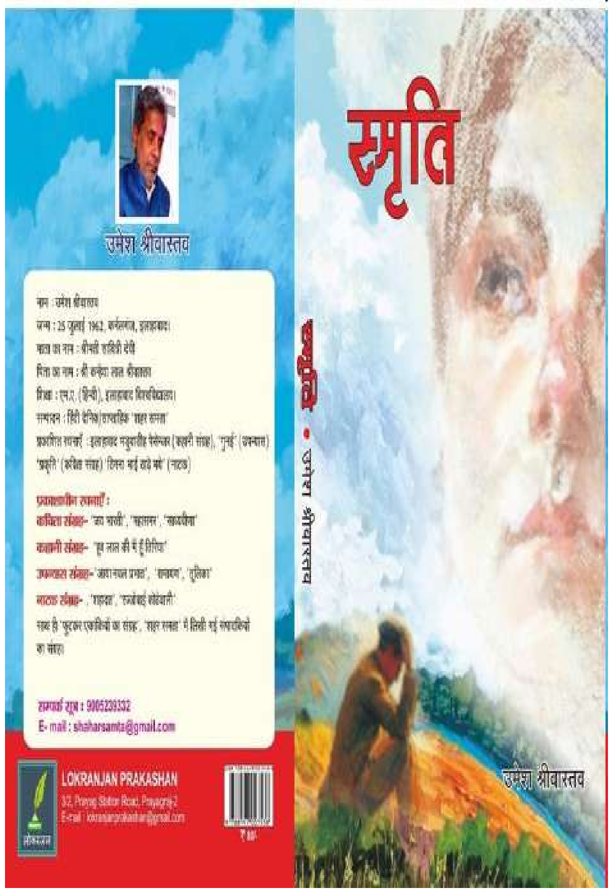

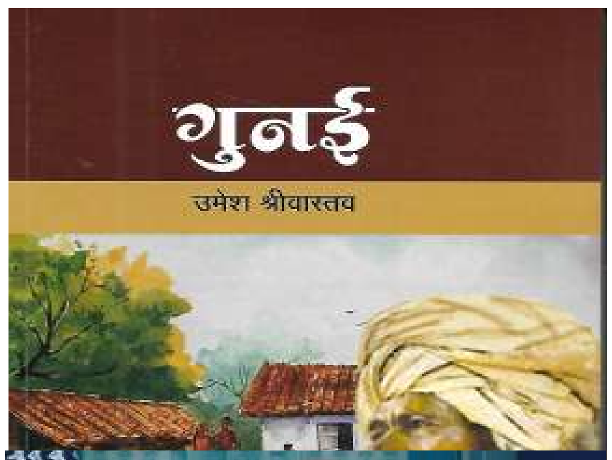

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

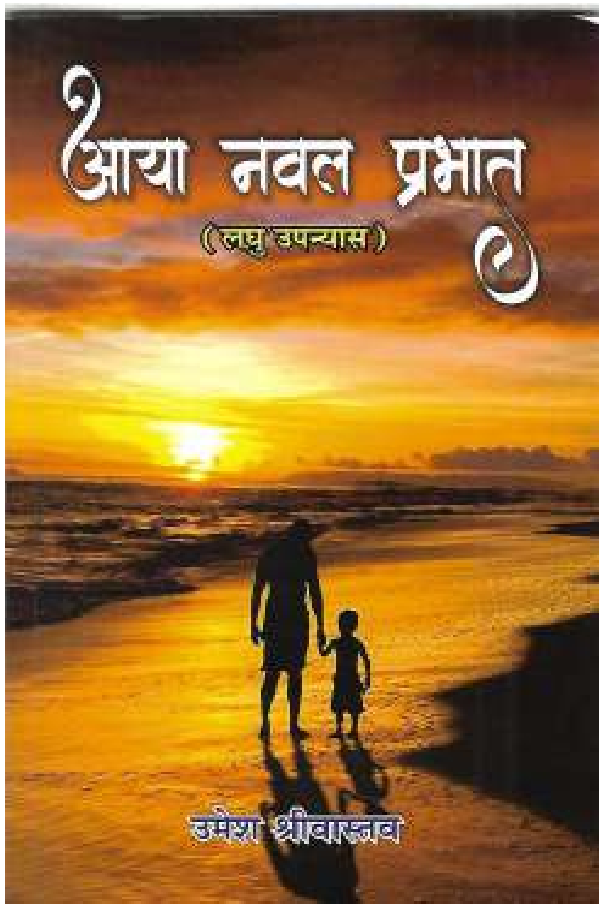

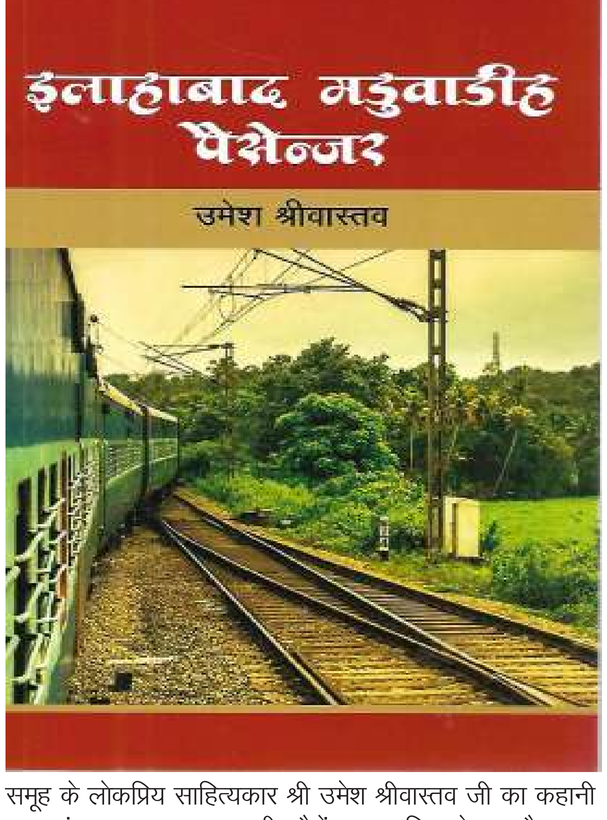

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

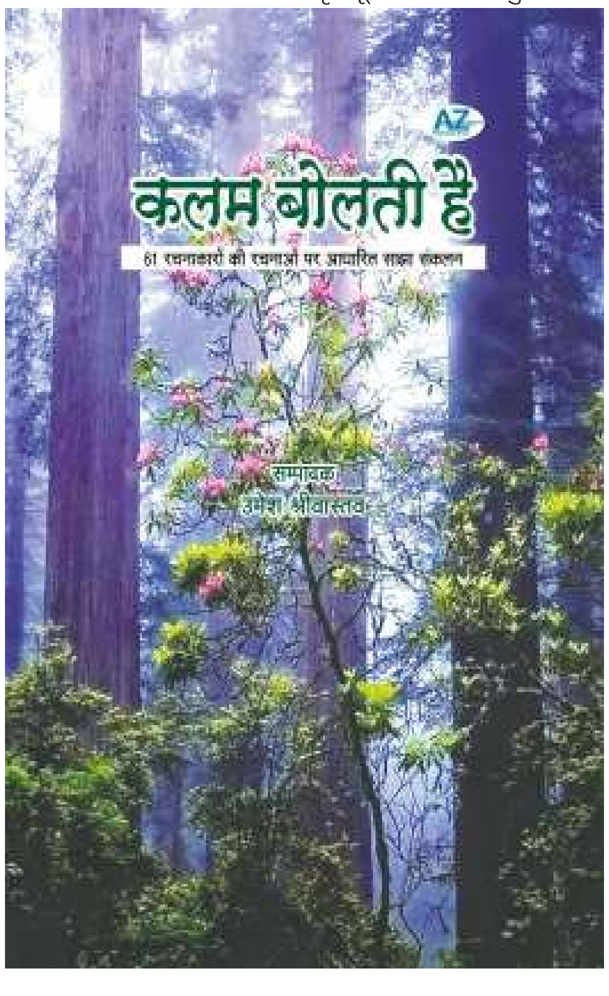

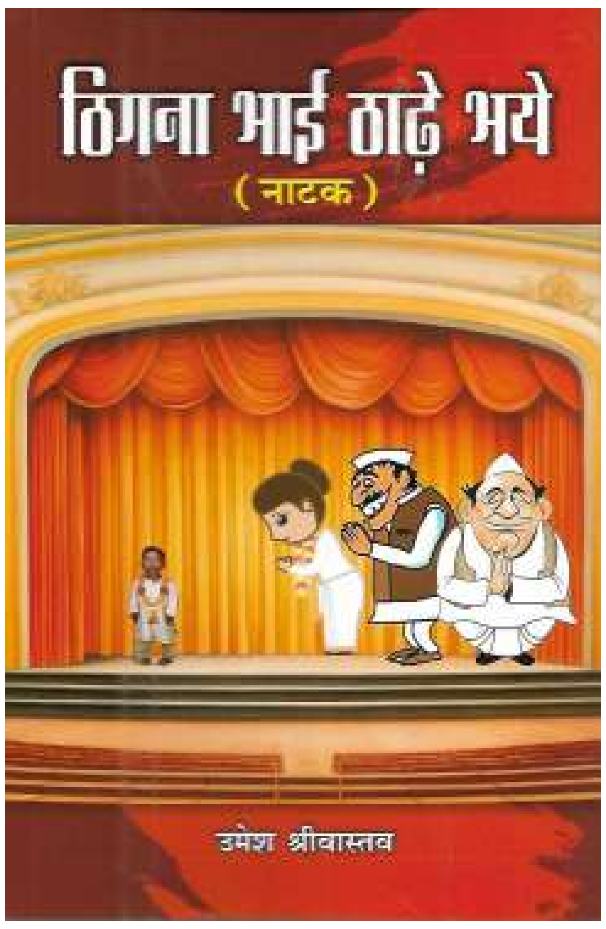

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

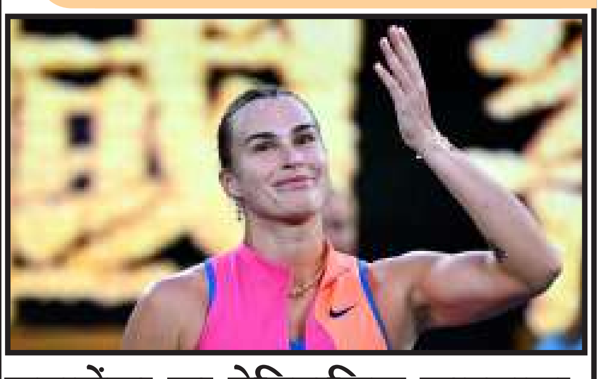

सबालेंका का ऐतिहासिक कारनामा, जोकोविच का रिकार्ड टूटा

मेलबर्न में जारी ऑस्ट्रेलियन ओपन में रविवार को एक खास पल देखने को मिला, जब आर्यना सबालेंका ने न सिर्फ जीत दर्ज की, बल्कि टेनिस इतिहास में अपना नाम भी दर्ज करा लिया। बता दें कि इस मुकाबले के साथ ही सबालेंका ने ग्रैंड स्लैम स्तर पर लगातार सबसे ज्यादा टाईब्रेक जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया हैं। गौरतलब है कि बेलारूस की इस स्टार खिलाड़ी ने ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में लगातार 20वां टाईब्रेक जीतकर नोवाक जोकोविच का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड जोकोविच के नाम था, जिन्होंने ओपन एरा में 19 लगातार टाईब्रेक जीते थे। मौजूद जानकारी के अनुसार, इस उपलब्धि के बाद खुद जोकोविच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हल्के–फुल्के अंदाज में प्रतिक्रिया दी और लिखा कि वह इस वक्त थोड़ा परेशान हैं, जो सबालेंका के दबाव में शानदार खेल की सराहना भी करता है। मैच की बात करें तो सबालेंका ने कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको को सीधे सेटों में 6–1, 7–6 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। हालांकि म्बोको को 17वीं वरीयता मिली थी, लेकिन सबालेंका ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। पहले सेट में उन्होंने दमदार सर्विस और सटीक ग्राउंडस्ट्रोक्स के दम पर नियंत्रण बनाए रखा और महज 31 मिनट में सेट अपने नाम कर लिया। इस दौरान उन्होंने तीन ऐस लगाए और रैलियों पर पूरी पकड़ बनाए रखी। दूसरे सेट में मुकाबला थोड़ा रोमांचक हो गया। सबालेंका से कुछ अनफोर्स्ड गलतियां हुईं और म्बोको ने अपने खेल का स्तर ऊंचा किया। युवा खिलाड़ी ने हर गेंद के लिए संघर्ष किया और लंबे रैलियों में सबालेंका को चुनौती दी। सबालेंका ने 4–1 की बढ़त बनाई और 5–4 पर मैच के लिए सर्व भी किया, लेकिन तीन मैच प्वाइंट चूकने के बाद म्बोको ने वापसी करते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक खींच लिया। हालांकि जैसे ही मैच टाईब्रेक में पहुंचा, सबालेंका का अनुभव और आत्मविश्वास साफ नजर आया। उन्होंने शुरुआत से ही बढ़त बना ली और आसानी से टाईब्रेक जीतकर मुकाबला समाप्त किया। इसी के साथ उन्होंने ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। गौरतलब है कि मेलबर्न में सबालेंका का प्रदर्शन पिछले कुछ वर्षों से लगातार प्रभावशाली रहा है। उन्होंने 2023 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था और 2024 में अपने खिताब का सफल बचाव किया था। इससे पहले वह एक बार उपविजेता भी रह चुकी हैं, जबकि यूएस ओपन में भी दो बार खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए सबालेंका इस बार भी खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं और उनका यह रिकॉर्ड उनके मानसिक मजबूती और बड़े मौकों पर संयम का प्रमाण हैं।

अल्काराज बनाम टॉमी पॉल और ज्वेरेव बनाम सेरुंडोलो मुकाबलों पर नजर

मेलबर्न में जारी ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे सप्ताह में मुकाबले दिलचस्प मोड़ पर पहुंच चुके हैं और बड़े नामों के सामने अब असली परीक्षा खड़ी है। इसी कड़ी में कार्लोस अल्काराज और टॉमी पॉल के बीच होने वाला मुकाबला, साथ ही अलेक्जेंडर ज्वेरेव और फ्रांसिस्को सेरुंडोलो की भिड़ंत को लेकर चर्चाएं तेज हैं। बता दें कि स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज शानदार लय में हैं और लगातार पांच मैच जीत चुके हैं। मेलबर्न में अपने अभियान की शुरुआत उन्होंने वॉल्टन के खिलाफ सीधे सेटों में जीत के साथ की, जहां पूरे मैच में उन्होंने सिर्फ एक ब्रेक प्वाइंट दिया। दूसरे दौर में जर्मनी के हानफमान के खिलाफ शुरुआती सेट में 1–3 से पिछड़ने के बावजूद अल्काराज ने मैच पलटते हुए सीधी सेटों में जीत दर्ज की। तीसरे दौर में फ्रेंच खिलाड़ी माउते उनके सामने टिक नहीं सके और अल्काराज ने एकतरफा अंदाज में मुकाबला अपने नाम किया। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियन ओपन में अल्काराज का अब तक का सफर उतार–चढ़ाव भरा रहा है। वह अभी तक यहां क्वार्टरफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। पिछले सीजन में उन्हें क्वार्टरफाइनल में नोवाक जोकोविच के हाथों चार कड़े सेटों में हार झेलनी पड़ी थी। दूसरी ओर, अमेरिका के टॉमी पॉल भी आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। उन्होंने अपने पिछले पांच में से चार मुकाबले जीते हैं। मेलबर्न में पहले दौर में उन्होंने कोवाचेविच को आसानी से सीधे सेटों में हराया और एक भी ब्रेक प्वाइंट नहीं दिया। दूसरे दौर में तिरांते के खिलाफ भी पॉल ने सीधी सेटों में जीत दर्ज की, हालांकि इस दौरान उन्हें चार ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा, जिन्हें उन्होंने सफलतापूर्वक बचाया। तीसरे दौर में डेविडोविच फोकिना चोट के कारण मैच बीच में छोड़ने को मजबूर हुए, उस वक्त पॉल दोनों सेट 6–1 से जीत चुके थे। मौजूद जानकारी के अनुसार, सट्टा बाजार में अल्काराज को इस मुकाबले में बड़ा फेवरेट माना जा रहा है, लेकिन जानकारों का मानना है कि तेज कोर्ट परिस्थितियों में टॉमी पॉल मुकाबले को करीबी बना सकते हैं। पॉल की सर्विस और हालिया फॉर्म उन्हें चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंदी बनाती है और गेम्स हैंडीकैप के लिहाज से यह मुकाबला संतुलित रहने की उम्मीद है। इसी तरह, जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव और अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो के बीच होने वाला मैच भी रोमांचक माना जा रहा है। ज्वेरेव ने हाल के पांच में से चार मैच जीते हैं। मेलबर्न में पहले दौर में उन्होंने डियालो को चार सेटों में हराया, हालांकि पहला सेट गंवाना पड़ा था। दूसरे दौर में मुलर के खिलाफ भी उन्हें चार सेट खेलने पड़े और सर्विस में निरंतरता की कमी दिखी। तीसरे दौर में ब्रिटेन के नॉरी के खिलाफ ज्वेरेव ने खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी करते हुए चार सेटों में जीत दर्ज की। वहीं, फ्रांसिस्को सेरुंडोलो भी शानदार फॉर्म में हैं और अपने पिछले पांच में से चार मुकाबले जीत चुके हैं। पहले दौर में उन्होंने झांग को सीधे सेटों में हराया। दूसरे दौर में ड्जुमहुर उनके सामने टिक नहीं सके और सेरुंडोलो ने दो घंटे से कम समय में मैच खत्म किया। तीसरे दौर में उन्होंने आंद्रे रूबलेव को भी सीधे सेटों में हराकर सबको चौंका दिया। इस मैच में उन्होंने दबाव के क्षणों में बेहतरीन खेल दिखाया और निर्णायक सेट में 0–2 से पिछड़ने के बावजूद वापसी की। मौजूद आंकड़ों के अनुसार, सेरुंडोलो हेड–टू–हेड में ज्वेरेव के खिलाफ 3–2 से आगे हैं, हालांकि हार्ड कोर्ट पर वह अब तक ज्वेरेव को नहीं हरा पाए हैं। इसके बावजूद, मौजूदा फॉर्म को देखते हुए मुकाबला एकतरफा रहने की संभावना कम मानी जा रही है और गेम्स के लिहाज से मुकाबला करीबी रह सकता है।

संक्षिप्त

क्या तेहरान पर हवाई हमले की तैयारी कर रहे ट्रंप? ईरान के नजदीक पहुंचे अमेरिका के युद्धपोत

तेहरान, एजेंसी। ईरान में विरोध प्रदर्शनों को वहां की सरकार ने कुचल दिया है और जब ऐसा लग रहा है कि हालात

सामान्य होने की तरफ हैं, लेकिन लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दिमाग में कुछ और ही चल रहा है। दरअसल अमेरिका का युद्धपोत अब्राहम लिंकन ईरान के नजदीक पहुंच गया है। जिससे आशंका पैदा हो गई है कि शायद ट्रंप, ईरान पर हमले की तैयारी कर रहे हैं। अमेरिकी नौसेना का युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन बेहद शक्तिशाली युद्धपोत है, जो निमित्ज क्लास का है और परमाणु ऊर्जा से संचालित होता है। इस युद्धपोत के साथ एर्ले बुर्क क्लास के तीन डेस्टॉयर (विध्वंसक जहाज) यूएसएस फ्रैंक ई पीटरसन जूनियर, यूएसएस स्प्रांस, यूएसएस माइकल मर्फी भी शामिल हैं। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि कैरियर स्ट्राइक ग्रुप को पश्चिम एशिया में तैनात किया गया है। युद्धपोत के साथ ही अमेरिका ने अपने फाइटर जेट्स और कार्गो फ्लीट को भी ईरान के आसपास तैनात किया है। अमेरिका के इस कदम को ईरान पर दबाव बनाने के तौर पर देखा जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बीते दिनों सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया था कि एक बड़ी नौसैन्य टुकड़ी ईरान की दिशा में बढ़ रही है, लेकिन हो सकता है कि उसे इस्तेमाल करने की जरूरत ही न पड़े। ईरान में बीते दिसंबर में बढ़ती महंगाई और बिगड़ती अर्थव्यवस्था के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। इन विरोध प्रदर्शन में छह हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने का दावा है। ईरान की सरकार ने कई प्रदर्शनकारियों को फांसी देने की तैयारी कर ली थी, लेकिन अमेरिका की धमकी के बाद ईरान ने फिलहाल फांसी की सजा टाल दी है। अमेरिकी धमकियों के बीच ईरान ने भी चेताया है कि वे युद्ध नहीं चाहते लेकिन अगर अमेरिका हमला करता है तो पूरी ताकत से हमले का जवाब दिया जाएगा।

नाइजीरिया में राष्ट्रपति टीनुबू की सरकार के खिलाफ साजिश का पर्दाफाश, अब मुकदमा चलाएगी सेना

अबूजा, एजेंसी। नाइजीरिया के रक्षा मुख्यालय ने सोमवार को एक बड़ी जानकारी दी। एक जांच रिपोर्ट के आधार पर सेना ने

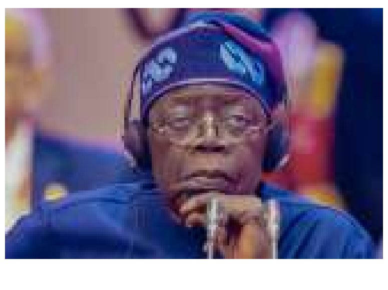

बताया कि सैन्य अधिकारियों के एक समूह पर तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप है। अब इन अधिकारियों पर मुकदमा चलाया जाएगा। इस मामले में अक्टूबर महीने में कम से कम 16 अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया था। उस समय सेना ने इसे अनुशासनहीनता और नियमों का उल्लंघन बताया था। इन गिरफ्तारियों और तख्तापलट की अफवाहों से इलाके में तनाव काफी बढ़ गया था। यह क्षेत्र पहले भी कई बार तख्तापलट का सामना कर चुका है। नाइजीरियाई सेना के प्रवक्ता समाइला उबा ने सोमवार को बताया कि अधिकारियों के आचरण की जांच पूरी हो गई है। जांच में खुलासा हुआ कि राष्ट्रपति बोला टीनुबू की सरकार के खिलाफ तख्तापलट की साजिश रची गई थी। उबा ने कहा, ष्जांच में कई अधिकारियों की पहचान हुई है। उन पर सरकार गिराने की योजना बनाने का आरोप है। यह काम सेना के मूल्यों और पेशेवर मानकों के बिल्कुल खिलाफ है।ष प्रवक्ता ने बताया कि दोषी अधिकारियों को सैन्य अदालत (पैनल) के सामने पेश किया जाएगा। वहां उन पर सेना के नियमों के तहत मुकदमा चलेगा। अभी यह साफ नहीं है कि गिरफ्तार किए गए 16 अधिकारियों में से कितनों पर मुकदमा चलेगा। अधिकारियों ने उनके नाम भी नहीं बताए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि सेना में अनुशासन बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। यह खबर ऐसे समय आई है जब पश्चिम और मध्य अफ्रीका में तख्तापलट की घटनाएं बढ़ी हैं। पिछले साल के अंत में बेनिन और गिनी–बिसाऊ में भी ऐसी घटनाएं हुई थीं। जानकारों के मुताबिक, विवादित चुनाव, सुरक्षा संकट और युवाओं में नाराजगी के कारण सेना सत्ता हथियाने की कोशिश करती है। नाइजीरिया में 1966 से 1993 के बीच कई बार तख्तापलट हो चुका है। अभी वहां सरकार के कड़े आर्थिक फैसलों के कारण लोगों की मुश्किलें बढ़ी हैं, जिससे चिंता का माहौल है।

अमेरिका में सदी की सबसे खतरनाक सर्दी: बर्फबारी से -31 डिग्री हुआ तापमान, ठहरी जिंदगी, उत्तरपूर्व में 25 मौतें

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के उत्तर–पूर्वी हिस्से में एक बहुत बड़ा और खतरनाक सर्दी का तूफान आया है। इस तूफान के कारण भारी बर्फबारी, जमा देने वाली ठंड और बारिश ने कई राज्यों में भारी तबाही मचाई है। अब तक कम से कम 25 लोगों की मौत की खबर है। इस तूफान की वजह से अमेरिका के अर्कांसस से लेकर न्यू इंग्लैंड तक करीब 2100 किलोमीटर के इलाके में एक फुट से ज्यादा बर्फ जम गई है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

खामेनेई के खिलाफ नहीं थम रहा आक्रोश, मृतकों का आंकड़ा 6,126 तक पहुंचाय ईरान में हालात चिंताजनक

ईरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अशांति व्याप्त है। हिंसा और विरोध–प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इस्राइली सीमा पर गाजा पट्टी और लेबनान जैसे इलाकों के बाद अब ईरान भी बीते कई हफ्ते से जनाक्रोश का सामना कर रहा है। देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई के खिलाफ सड़कों पर उतरी जनता सरकार के खिलाफ लगातार आवाज बुलंद कर रही है। आलम ये है कि देश की सेना और राजधानी तेहरान में तैनात सुरक्षाबलों को भी कानून–व्यवस्था बरकरार रखने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। ईरान में हालात कितने चिंताजनक हैं, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि देश की सरकार ने बीते कई दिनों से फोन और इंटरनेट सेवाओं को बंद कर रखा है। अब तक कितने लोग जान गंवा चुके हैं, इसके आंकड़े भी संदिग्ध हैं,

क्योंकि अमेरिकी मानवाधिकार एजेंसी – HRANA का दावा है कि अब तक 6126 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, देश की सरकार का दावा है कि मृतकों की संख्या 3117 है। सरकार के मुताबिक मृतकों में 2427 नागरिकों के अलावा सुरक्षा बलों के जवान भी शामिल हैं। देश और पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर आई ताजा रिपोर्ट के मुताबिक ईरान में अशांति का असर पड़ोसी देश लेबनान पर भी दिख रहा है। यहां राजधानी बेरूत के एक दक्षिणी उपनगर में रहने वाली महिलाओं ने ईरानी सरकार के साथ एकजुटता दिखाने का प्रयास किया है। बेरूत में आयोजित एक रैली के दौरान हिजबुल्ला समर्थकों को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की तस्वीरों के साथ देखा गया। दरअसल, ईरान में सरकार विरोधी आंदोलन विशाल रूप ले चुका है। आर्थिक संकट और बढ़ती महंगाई के असर के चलते शुरू हुए विरोधा प्रदर्शन देखते ही देखते ईरान के सभी 31 प्रांतों में फैल चुके हैं। आलम यह है कि तेहरान में व्यापारियों का गढ़ कहे जाने वाला ग्रैंड बाजार इन प्रदर्शनों का केंद्र बना हुआ है और आर्थिक संकट के खिलाफ उठी आवाज अब सत्ता परिवर्तन की आवाज में बदल चुकी है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि मृतकों का आंकड़ा 12 से 20 हजार से अधिक होने की आशंका है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में आई जानकारी के मुताबिक सेना ने 25 हजार से अधिक लोगों को हिरासत में भी लिया है। सीबीएस न्यूज की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान में मौजूद सूत्रों के हवाले से कहा है कि दो सप्ताह से अधिक समय से जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों में अब तक कम से 12 हजार या शायद 20 हजार लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। डरावना है मुर्दाघरों के बाहर का मंजर, अपनों को तलाश रहे परिजन सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी तेहरान के बाहरी इलाकों में मुर्दाघरों के बाहर 300–400 शव रखे देखे गए। फॉरेंसिक विभाग के कर्मचारी शवों पर चोट के निशानों का ब्योरा दर्ज करते देखे गए। शवों पर गोली लगने से बने घाव समेत कई गंभीर चोटें भी देखी गईं। शवों के ढेर में स्थानीय लोगों को अपने परिजनों की तलाश में बदहवास भी देखा गया। दुनियाभर में मानवाधिकार के मुद्दे पर काम करने वाली संस्था एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी ईरान को लेकर चौंकाने वाले दावे किए हैं। एमनेस्टी के मुताबिक 28 दिसंबर से शुरू हुए विरोध–प्रदर्शन के एक महीने हो चुके हैं। अपराधों और दमन को छिपाने के मकसद से सरकार ने 8 जनवरी को इंटरनेट सेवाएं बंद कर दीं। सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ गैरकानूनी बल प्रयोग किए। बंदूकों और अन्य प्रतिबंधित हथियारों का भी इस्तेमाल किया गया। दमन की कार्रवाई के दौरान बड़े पैमाने पर हत्याएं हुईं। बड़ी संख्या में लोगों को गंभीर चोटें भी आई हैं।

अफ्रीकी युवती ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, पेड़ के गले लगकर 72 घंटे खड़ी रहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्या की 22 वर्षीय पर्यावरण कार्यकर्ता ट्रूफेन मुथोनी ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स (ळॅत) में अपना नाम दर्ज कर लिया है। उन्होंने लगातार 72 घंटे तक पेड़ को गले लगाकर श्सबसे लंबी मैराथन ट्री–हगिंगश का विश्व रिकॉर्ड बनाया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, ट्रूफेन ने यह उपलब्धि 8 दिसंबर से 11 दिसंबर 2025 के बीच हासिल की। उन्होंने न्येरी गवर्नर कार्यालय परिसर में 11 दिसंबर को दोपहर 12रू25 बजे अपना रिकॉर्ड पूरा किया। जीडब्ल्यूआर की वेबसाइट के मुताबिक, ट्रूफेन ने यह चुनौती स्वदेशी पेड़ों की रक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने और आदिवासी समुदायों के ज्ञान को सम्मान देने के उद्देश्य से ली थी। उनका मानना है कि

जलवायु संकट से निपटने में स्वदेशी ज्ञान की अहम भूमिका है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने कहा कि इस रिकॉर्ड का उद्देश्य लोगों को प्रकृति से जोड़ना है, ताकि पर्यावरण संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जुनून बन सके। रिकॉर्ड की पुष्टि के बाद ट्रूफेन ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा, कि लोगों और पृथ्वी के लिए। दूसरी बार ट्रूफेन को ट्री–हगिंग मैराथन के लिए मान्यता मिली यह दूसरी बार है जब ट्रूफेन को ट्री–हगिंग मैराथन के लिए मान्यता मिली है। इससे पहले उन्होंने नैरोबी में 31 जनवरी से 2 फरवरी 2025 के बीच 48 घंटे तक पेड़ को गले लगाकर रिकॉर्ड बनाया था। इस दौरान उन्होंने पिछले रिकॉर्ड को लगभग 24 घंटे से अधिक समय तक पीछे छोड़ दिया था।

इससे पहले का रिकॉर्ड किसके नाम रहा?

इससे पहले यह रिकॉर्ड घाना के अब्दुल हकीम अवाल के नाम था, जिन्होंने 23 मई 2024 को कुमासी में 24 घंटे 21 मिनट 4 सेकंड तक पेड़ को गले लगाया था।

जीडब्ल्यूआर के अनुसार, ट्रूफेन ने इस चुनौती को मानसिक और भावनात्मक लाभों को उजागर करने के लिए भी अपनाया। उन्होंने इसके लिए पांच महीने से अधिक समय तक तैयारी की, जिसमें 42 किलोमीटर की पैदल यात्राएं और 12 घंटे तक पेड़ से लिपटने के अभ्यास शामिल थे। रिकॉर्ड की घोषणा के बाद ट्रूफेन के सोशल मीडिया अकाउंट पर बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया। कई लोगों ने इसे पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरणादायक कदम बताया।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने भारत दौरे की पुष्टि की, अमेरिका जाने से पहले फरवरी में आएंगे नई दिल्ली

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने सोमवार को अपने भारत दौरे की पुष्टि कर दी। उन्होंने बताया कि वे फरवरी में नई दिल्ली आएंगे। ब्राजीली राष्ट्रपति अमेरिका दौरे पर भी जाएंगे, लेकिन अभी उसकी तारीख तय नहीं है। अमेरिका

दौरे से पहले लूला डा सिल्वा का भारत दौरा बेहद अहम माना जा रहा है। ब्राजील के राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से टेलीफोन पर बातचीत की। इस बातचीत में उनके और ट्रंप के बीच सहमति बनी है कि फरवरी में भारत और दक्षिण कोरिया के दौरे के बाद वे वॉशिंगटन का दौरा करेंगे।

अपने पोस्ट में लूला ने लिखा, श्संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्राजील की आर्थिक वृद्धि पूरे क्षेत्र के लिए सकारात्मक है। हमने पिछले कुछ महीनों में बने अच्छे संबंधों का स्वागत किया, जिसके परिणामस्वरूप ब्राजील के उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ के एक महत्वपूर्ण हिस्से को हटा दिया गया। ब्राजील के राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने संगठित अपराध से निपटने में सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया। दोनों नेताओं के बीच मनी लॉन्ड्रिंग और हथियारों की तस्करी को रोकने के साथ–साथ आपराधिक समूहों की संपत्ति को फ्रीज करने और वित्तीय लेनदेन पर डेटा का आदान–प्रदान करने के मुद्दे पर भी सहमति बनी। भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर बैठक की अध्यक्षता करने वाला है और ब्राजील भी इसका सदस्य है। इसमें शामिल होने के लिए अन्य शासनाध्यक्षों के अलावा लूला दा सिल्वा भी आने वाले हैं।

लूला ब्रिक्स देशों के साथ अमेरिकी टैरिफ का जवाब देने के लिए चर्चा कर रहे हैं। ट्रंप, ब्रिक्स की आलोचना कर रहे हैं और उनका आरोप है कि ब्रिक्स देश अपनी–अपनी राष्ट्रीय मुद्रा के जरिए व्यापार से अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

अमेरिका द्वारा भारत और ब्राजील, दोनों देशों पर भारी टैरिफ लगाया गया है। टैरिफ के इस तनाव भरे माहौल में दुनिया के कई देश आपस में व्यापार के नए अवसर खोज रहे हैं। इन्हीं देशों में भारत और ब्राजील भी हैं, जो तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं।

मिनियापोलिस में जारी रहेगा ICE का अभियान, व्हाइट हाउस बोला- ट्रंप ने एलेक्स प्रेटी को नहीं कहा घरेलू आतंकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन और डिपोर्टेशन नीति को लेकर विवाद और गहरा गया है। मिनियापोलिस

में इमिग्रेशन एजेंट्स की कार्रवाई के दौरान दो अमेरिकी नागरिकों की मौत के बाद देशभर में विरोध–प्रदर्शन हो रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद व्हाइट हाउस ने साफ कर दिया है कि ट्रंप सरकार अपनी नीति से पीछे नहीं हटेगी। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिकी जनता भारी संख्या में ट्रंप की नीतियों के साथ है। उनके मुताबिक, श्अमेरिकन लोग मजबूत बॉर्डर और अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई चाहते हैं। सर्वे बताते हैं कि इस नीति को बहुत बड़ा समर्थन मिल रहा है।श उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप अपना वादा कभी नहीं तोड़ेंगे और श्हिंसक और अपराधी अवैधा प्रवासियोंश को देश से बाहर निकालने का अभियान जारी रहेगा। यह बयान उस समय आया है जब मिनियापोलिस में एक आईसीयू नर्स एलेक्स प्रेटी की फेडरल एजेंट्स के साथ मुठभेड़ में मौत हो गई। इससे पहले 7 जनवरी को रैनी गुड नाम की महिला की भी गोली लगने से मौत हुई थी। इन दोनों मामलों के बाद शहर में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए और फेडरल एजेंट्स की कार्रवाई पर सवाल उठने लगे। फेडरल अधिकारियों का कहना है कि प्रेटी को आत्मरक्षा में गोली मारी गई, लेकिन अब तक इस दावे के पुख्ता सबूत सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। कोर्ट ने सबूतों को नष्ट या बदलने से रोकने के लिए अस्थायी आदेश भी दिया है। आज एक और अहम सुनवाई होने वाली है, जिसमें इमिग्रेशन अभियान को अस्थायी रूप से रोकने की मांग पर बहस होगी। इसी बीच कुछ सरकारी अधिकारियों ने प्रेटी को श्घरेलू आतंकवादीश जैसा बताया, लेकिन व्हाइट हाउस ने इससे दूरी बना ली। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रेटी को कभी आतंकवादी नहीं कहा है और वह चाहते हैं कि जांच पूरी होने के बाद ही सच्चाई सामने आए। उन्होंने यह भी कहा, श्कोई भी नहीं चाहता कि अमेरिका की सड़कों पर किसी निर्दोष की जान जाए। मिनेसोटा के गवर्नर टिम वॉल्ज और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच फोन पर बात भी हुई। ट्रंप ने कहा कि दोनों श्एक ही सोच परश हैं और मिलकर हालात सुधारना चाहते हैं। उन्होंने अपने बड़े बॉर्डर सुरक्षा अधिकारी टॉम होमन को मिनेसोटा भेजने की घोषणा की। ट्रंप के मुताबिक, श्हमने वॉशिंगटन डीसी, मेम्फिस और न्यू ऑरलियन्स में शानदार सफलता पाई है। मिनेसोटा में भी अपराध कम हुआ है, लेकिन हम इसे और बेहतर बनाना चाहते हैं। हालांकि मिनेसोटा के अटॉर्नी जनरल कीथ एलिसन ने ट्रंप के बयानों को श्पूरी तरह पागलपनश करार दिया और कहा कि सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। कई कानूनी याचिकाएं दाखिल की गई हैं, जिनमें कहा गया है कि भारी हथियारों से लैस, नकाबपोश फेडरल एजेंट्स की तैनाती राज्य के अधिकारों का उल्लंघन है। उधार, कांग्रेस के डेमोक्रेट सांसदों ने चेतावनी दी है कि अगर इमिग्रेशन नीति में सुधार नहीं हुआ तो वे फंडिंग रोक सकते हैं।

ट्रंप की 100 फीसदी टैरिफ धमकियों पर पीएम कार्नी का दो टूक- कनाडा ब्लैकमेल में नहीं होगा

टोरंटो (कनाडा), एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दी गई टैरिफ धमकियों को केवल रणनीतिक बयानबाजी बताया है और कहा है कि इसे जल्द होने वाली मुक्त व्यापार वार्ता के संदर्भ में समझा जाना चाहिए। कार्नी ने सोमवार को कहा कि इस साल यूएस–मेक्सिको–कनाडा समझौता (न्डब्ड।) की समीक्षा होनी है और वह उम्मीद करते हैं कि यह एक मजबूत समीक्षा होगी। उन्होंने कहा कि ट्रंप एक मजबूत वार्ताकार हैं और उनकी कुछ टिप्पणियां वार्ता से पहले रणनीतिक रूप से दी गई हैं। ट्रंप ने पिछले सप्ताह चेतावनी दी थी कि अगर कनाडा चीन के साथ कोई बड़ा व्यापार समझौता करता है तो वह कनाडा से आयात होने वाली वस्तुओं पर 100: टैरिफ लगा देंगे। हालांकि कार्नी ने साफ किया कि कनाडा का चीन के साथ कोई मुक्त व्यापार समझौता करने का इरादा नहीं है। कार्नी ने यह भी बताया कि हाल में चीन के साथ हुए रणनीतिक समझौते में केवल चुनिंदा क्षेत्रों के टैरिफ कम किए गए हैं, न कि व्यापक व्यापार समझौता किया गया है। 2024 में कनाडा ने अमेरिका की तरह ही चीन से आयातित इलेक्ट्रिक वाहनों पर 100: टैरिफ और इस्पात व एल्युमिनियम पर 25: टैरिफ लगाया था, जिस पर चीन ने उत्तर में कनाडाई कैनोला तेल और पोर्क जैसे उत्पादों पर भारी टैरिफ लगा दिए थे। हाल के दौर में कार्नी ने चीन के साथ अपनी 100: टैरिफ को 6.1: तक कम कर दिया और इस योजना के तहत प्रतिवर्ष 49,000 इलेक्ट्रिक वाहनों को कम टैरिफ पर कनाडा में आयात की अनुमति दी गई है, जो पांच साल में लगभग 70,000 तक बढ़ सकती है। कार्नी ने कहा कि यह रणनीतिक परिवर्तन कनाडा में सस्ती इलेक्ट्रिक गाड़ियां उपलब्धा कराने में मदद करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि यह संख्या कनाडा में कुल एक लाख 80 हजार वाहनों की वार्षिक बिक्री का लगभग 3: है और इसके बदले में चीन अगले तीन वर्षों में कनाडाई ऑटो उद्योग में निवेश शुरू कर सकता है। ट्रंप की यह टैरिफ चेतावनी ऐसे समय आई है ।

वेनेजुएला में सैकड़ों कैदियों की रिहाई, ट्रंप ने की तारीफ, बताया- बड़ी मानवीय पहल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला में राजनीतिक कैदियों की रिहाई का स्वागत किया है। उन्होंने सोमवार को इसे एक शक्तिशाली मानवीय कदम बताया। ट्रंप ने कहा कि कैदियों को छोड़ने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्ट्रुथ सोशलश पर ट्रंप ने लिखा, ष्मुझे खुशी है कि वेनेजुएला अपने राजनीतिक कैदियों को तेजी से रिहा कर रहा है। आने वाले समय में यह रफ्तार और बढ़ेगी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पिटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।